



HB/197

भारत का अजापन

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—कण्ठ 3—उप-कण्ठ (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)
शासकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 339)

नई विल्ली, सोमवार, जून 12, 1989/ज्येष्ठ 22, 1911

No. 339] NEW DELHI, MONDAY, JUNE 12, 1989/JYAISTHA 22, 1911

इस भाग में भिन्न वृक्ष संस्था वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

संस्थ-भूतल पारिवहन मंत्रालय

(प्रियहन पक्ष)

अधिकृतनाएँ

नई विल्ली, 12 जून, 1989

का.पा. 436(अ).—केन्द्रीय सरकार, मोटर यान अधिनियम,
1988 (1988 का 59) की धारा 41 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त
शक्तियों का प्रयोग करने हुए, मोटर यानों की आवत नीचे दी गई सारी
के स्तरम् (2) में वर्णित यानों के प्रकार के यानों के उस प्रकार के रूप
में विनिर्दिष्ट करती है जो उक्त उपधारा (4) के प्रयोजनों के लिए
उसके स्तरम् (1) की सत्त्वानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट हैं:—

सारणी

मोटर यान

मोटर यान के प्रकार

(1)

(2)

1. मोटर साइकिल

मोटर साइकिल

स्कटर

मोपेड

मोटर युक्त साइकिल

(1)

2. हल्का मोटर यान

(2)

तिपटिण्याली यान

प्राटो रिक्शा

ट्रम्पो

मोटर युक्त साइकिल रिक्शा

प्रशक्त यात्री गाड़ी

तिपटिए माल वाहन

डिलिवरी वैन

चौपटिए यात्री यान

मोटर कार

जीप

जीप मंजिली गाड़ी

ट्रक्सी

मक्की बैग

एस्ट्रेंस

स्टेंगन बैगन

वैन

प्रशक्त यात्री गाड़ी

चौपटिए माल वाहन

डिलिवरी वैन

ट्रक्स

फोर्क लिफ्ट

(१)	(२)
उक्त वेन	उक्त वेन
चल जलपान युह	चल जलपान युह
चल उक्तधर	चल उक्तधर
चल किलिनिक	चल किलिनिक
३. भैयग और भाई मोटर यान	याक्षी यान
	मजिनी गाड़ी, माश्वारण
	एक्सप्रेस बस
	मगर शहर बस
	मिनी बस
	याक्षी सह मान धाहन
	पर्यटक कोच
	कैम्पस वैन
	कैम्पिंग ट्रूलर/हाउस ट्रैलर
	बिना ट्रैक की ट्रूलर कोच
	उचल ड्रेकर बग
	माल बाहन
	पण एम्बुलेंस
	वैन
	ट्रक
	ट्रम्पर
	फॉर्क लिफ्ट
	पिक अप वैन
	रिग
	अन्तर्कर्पण ट्रक
	कुआ करकट में जाने वाला वैन
	चल वैन जलपान युह
	चल पुस्तकालय वैन
	चल उक्तधर यान
	एक वैन
	चल किलिनिक
	चल भारंशाला
	चल दुकान यान
	ट्रैकर

२ इस अधिकारी के प्रयोगन के लिए—

(क) "प्रश्नकृतेन" ये ऐसा यात्रा अभियान है जो बीमार, अनियन्त्रित, जरूरी या अन्यथा असमर्थ व्यक्तियों के आपातकालीन परिवहन के लिए विशेष उपकारिता, नियन्त्रण या उपायों के लिए आवश्यक है।

(ख) "पृष्ठ एम्बुलेंस" में ऐसी एम्बुलेंस अभियान है जो नीमार, अनियन्त्रित, जरूरी या अन्यथा असमर्थ पशुओं के आपातकारी संपर्क विचलन के उपायों के लिए आवश्यक है;

(ग) "आटो रिक्षा" से ऐसा निपटिया भोटर यात्रा अभियान है जो आड़े या पारेश्वरिक पर अधिक से अधिक सीन याक्रियों को, जिनके अन्तर्द्वारा ड्राइवर नहीं है, घटन करने के लिए नियन्त्रण या अस्कल बना दिया गया है और उपयोग में लाया गया है;

(घ) "बैंग्यमंड बैन" से ऐसा मोटर यात्रा अभियान है जो शास्त्रीय-प्रमोटर, कैम्प लगाने या यात्रा के उपयोग के लिए रहने के बवाईंगों का व्यवस्था करने के लिए स्पष्टीकित या नियन्त्रित किया गया हो और जिसमें ड्राइवर की भीष्ट में रहने के बवाईंगों जो सीधे जाने का मार्ग है;

(ङ) "कैमिंग ट्रैलर" से ऐसा ट्रैलर अभियान है जो माल के परिवहन के उपयोग में नई लाया गया है और अंतर्गत ऐसी पार्श्व-

शीर्षकों से विभिन्न है जिन्हें ग्रन्तकार्या के लिए ग्रन्त दिया जा रहा है और यांचार प्रोटोटिप लिए रखा जाता है और पर्याप्त प्रयोजनों से लिए अस्थायी रूप से की वास्तुक्रिया की अवस्था फैलत के लिए खाला जा सकता है;

(प) "इम्पर" से खुली घृणा वाली बातों बातों ऐसा स्वतोंत्रित मान यान अभिप्रेत है जो मामरी के परिवहन और उसे इम्प करने या फिलाने के लिए स्पष्टिकित किया गया है;

(द) "शाउम ट्रेलर" से ऐसा ट्रेलर या अर्ध ट्रेलर अभिप्रेत है जो ऐसा लगाने या एक्टिन प्रयोगों के लिए धरणार्थी रहने के क्षार्टों के रूप में, त कि माल, मासमी और वापिश्य तथा ऐसी ही बग्नेश्वरों के परिवहन गा रहाई के लिए, अंतिर्जल है और उपयोग किया जाता है;

(ज) "प्राह्म मूर्वर" से ऐसा मोटर यान अभिप्रेत है जो मूर्खतया प्रयोग यानों के स्टीचरों के लिए स्पष्टिकित और उपयोग में लाया गया है और इस प्रधार निर्मित नहीं किया गया है कि वह ऐसा भास्करन करे जो यान के लज्जन और लीजे गए भार ने निश्च है;

(झ) "अनवर्धन ट्रक" से ऐसा मोटर यान अभिप्रेत है जो ट्रैल, उनीलक अनुकरण छह, अनवर्धन लाइन, महात्मक धूरिश्वरों के द्वारा प्रयोग यानों के घोकतों, अनुकरण या लीजने और प्रशासन यानों को मृश्यता प्रदान करने के लिए स्पष्टिकित मा परिवर्तित और अंतिर्जल किया गया है और उपयोग में लाया गया है;

(झ) "बिना ट्रैक की ट्राली कोच" से ऐसा मोटर यान अभिप्रेत है जो बिगोर्डि ट्राली के नारों से प्राप्त बिजली की ऊपरित डारा नोटिस है किन्तु रेल की पटरियों पर नहीं चलाया जाता है।

उमड़ शृंखला जलाई 1989 के पहले शित को प्रवृत्त होगी ।

फा स० आर टी० ११०१४/८९-टीएर्फी]

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Transport Wing)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 12th June, 1989

S.O. 436 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 41 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), the Central Government hereby specifies the types of mentioned in column (2) of the Table below as the type in respect of motor vehicles specified in the corresponding entry in column (1) thereof for the purposes of the said sub-section (4): —

TABLE

Motor Vehicles	Type of motor vehicles
(1)	(2)
1. Motor cycle	Motor cycle
	Scooter
	Moped
	Motorised Cycle
2. Light Motor Vehicle	Three-wheelers -Passenger vehicle
	Auto rickshaw
	Tempo
	Motorised cycle rickshaw
	Invalid Carriage
	Three-wheeler-goods carriage

1	2
	Delivery Van
	Four-wheeler-Passenger vehicle
	Motor car
	Jeep
	Jeep stage carriage
	Taxi
	Maxi cab
	Ambulance
	Station wagon
	Invalid Carriage
	Van
	Four-wheelers-goods carriage
	Delivery van
	Truck
	Fork Lift
	Postal Van
	Mobile canteen
	Mobile post office
	Mobile clinic
3. Medium and heavy motor vehicle	Passenger vehicle
	stage carriage, ordinary
	Express bus
	Town/city bus
	Mini bus
	Passenger-cum-goods carriage
	Tourist coach
	Campers van
	Camping trailer/House trailer
	Trackless trolley coach
	Double-decker bus
	Goods carriage
	Animal ambulance
	Crane
	Truck
	Dumper
	Fork lift
	Pick up van
	Rig
	Tow truck
	Refuse collector
	Demonstration van
	Mobile van canteen
	Mobile library van
	Mobile post office vehicle
	Postal van
	Mobile clinic
	Mobile workshop
	Mobile shop vehicle
	Tanker

2. For the purpose of this notification,—

- "Ambulance" means vehicle specially designed, constructed or modified and equipped and intended to be used for emergency transportation of persons who are sick, injured, wounded or otherwise incapacitated;
- "Animal ambulance" means an ambulance intended to be used for the emergency transportation of sick, injured, wounded or otherwise incapacitated animals;
- "Auto-rickshaw" means a motor vehicle having three wheels constructed or adapted and used to carry not more than three passengers for hire or reward excluding the driver;

- "Campers' van" means a motor vehicle designed or constructed to provide living quarters for recreational, camping or travel use with direct walk through access to the living quarters from the driver's seat;
- "Camping Trailer" means a trailer, not used for transport of goods, constructed with partial side walls which folds for towing and unfolds to provide temporary living accommodation for recreational camping and tourist purposes;
- "Dumper" means a self propelled goods vehicle having an open cargo body designed to transport and dump or spread materials;
- "House Traller" means a trailer or semi-trailer equipped and used for temporary living quarters for camping or tourist purposes and not for the transportation of freight, goods, wares and merchandise and the like;
- "Prime Mover" means a motor vehicle designed and used primarily for drawing other vehicles and not so constructed to carry a load other than a part of the weight of the vehicle and load as drawn;
- "Tow Truck" means a motor vehicle designed or altered and equipped for and used to push, tow or draw disabled vehicles by means of crane, hoist tow bar, tow line auxiliary axles and to render assistance to disabled vehicles;
- "Trackless Trolley Coach" means a motor vehicle which is propelled by electric power obtained from overhead trolley wires but not operated upon rails.

3. This notification shall come into force on the first day of July, 1989.

[File No. RI-11014/3/89-TAG]

का. आ. 437 (अ).—केंद्रीय सरकार, मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 75 की उपधारा (1) द्वारा प्रबल गतियों का प्रयोग करते हुए, ऐसे अधिनियमों को जो अपने स्वयं के उपयोग के लिए किंवदं की धारा करते हैं, मोटर कैब कियाएं पर देने के कारबाहर और उपर संबंधित विषयों का वित्तियमन करते के लिए नियन्त्रित स्तरों बनाती है, अवधि:—

1. संक्षिप्त नाम, प्रारंभ और आगे होना. (1) इस स्तर का संक्षिप्त नाम कैब कियाएं पर देने की स्तरीय, 1989 है।
(2) ये राजनीति में प्रकाशन की तरीका को प्रवृत्त होती है।

(3) ये उन गभीर मोटर किंवदं से लागू होती जिनको अधिनियम की धारा 88 की उपधारा (9) के अधीन पर्वत पर्मिट दिए गए हैं और जो पैरा 6 के नियन्त्रणों के अनुसार दी गई अनुमति के अधीन चलाई जा रही है।

2. परिधावा—इस धारा में जब तक कि निम्न में प्राप्त होता है—

(क) "अधिनियम" से मोटर यान अधिनियम, 1988 परिवर्त्तित है;

(ग) "प्रस्तुप" से इस स्तर के संबंध प्रस्तुत होता है;

(ग) "अनुमति" से ऐसी अनुमति प्रस्तुत होती है जो ऐसे अधिनियमों की स्वयं के उपयोग के लिए स्वयं किंवदं की धारा करते हैं, मोटर कैब कियाएं पर देने का कारबाहर करने के लिए पैरा 6 के अधीन दी गई या नवीकृत की गई है;

(म) "अनुज्ञापन प्राधिकारी" से अधिनियम की घारा 68 की उप-तारा (1) के अधीन परिवहन प्राधिकरण अधिनियम की;

(क) "चालक" से कम से कम 50 मोटर कींबों की बाबत अधिनियम की घारा 88 की उप-तारा (9) के अधीन दिए गए परमिट का शास्त्र अधिनियम है।

3. चालकों का अनुज्ञापन—फोर्ई भी अवित अनुज्ञापन के बिना इम स्कीम के अधीन मोटर कैब बिराग पर देने का कारबार नहीं करेगा।

4. अनुज्ञाप्ति दिए जाने और उमके नवीकरण के लिए आवेदन—(1) पैरा 6 के अधीन अनुज्ञाप्ति दिए जाने और उमके नवीकरण के फोर्ई आवेदन उस क्षेत्र की, जिसमें वह निवास करता है या उसके मुख्य कारबार का स्थान है (जिसे इसके पश्चात मुख्य कार्यालय कहा या है), अधिकारिता रखने वाले अनुज्ञापन प्राधिकारी की प्रकृत 1 में किया जाएगा और उसके गांधी पांच मोर्चे की फीस भेजे जाएंगे।

(2) यहां आवेदक का, मुख्य कार्यालय के अतिरिक्त छांड (1) में निर्दिष्ट अनुज्ञापन प्राधिकारी की अधिकारिता के भीतर कोर्ई शास्त्र कार्यालय है, वहां आवेदन में ऐसे प्रत्येक स्थान पर अधिस्थित किए जाने के लिए प्रस्तावित मोटर कींबों की संख्या सहित ऐसे स्थान उत्तरदायित किए जाएंगे।

(3) यहां आवेदक के अनुज्ञापन प्राधिकारी की अधिकारिता से बाहर शास्त्र कार्यालय है, वहां आवेदन उस अनुज्ञापन प्राधिकारी को जिसकी अधिकारिता में शास्त्र कार्यालय स्थित है, प्रकृत 2 में किया जाएगा और इसके साथ ऐसे प्रत्येक शास्त्र कार्यालय की बाबत एक हजार रुपय की फीस भेजी जाएगी।

5. आवेदन की जांच—अनुज्ञापन प्राधिकारी अनुज्ञाप्ति देने या नवीकृत करने से पहले निम्नलिखित के संबंध में विचार करेगा:—

(1) यह कि आवेदक का अजडा चरित्र है और उसे धारी परिवहन कारबार का भावयक बान है;

(2) यह कि आवेदक का मुख्य कार्यालय या शास्त्र कार्यालय या तो आवेदक के स्थानिक में है या वह उसके द्वाया पट्टे पर या उसके नाम में किराए पर सिधा गया है और इसमें स्वागत काम, प्रशासनिक अनुभाग लाकर की सुविधाओं सहित याकौ सामान घर, स्वच्छता छांड के लिए पर्याप्त स्थान और मोटर कींबों के लिए पर्याप्त अनुकूल स्थान है;

(3) यह कि आवेदक के पास प्रत्येक यानों को रखने, उनके अनुरक्षण और सरम्भत के लिए आवश्यक सुविधाएं हैं;

(4) यह कि आवेदक के पास कम से कम एक टेलीफोन है जो दिन और रात के समय सुलभ है;

(5) यह कि आवेदक के कम से कम पर्यटन भव्यता के शहरों में शास्त्र कार्यालय है जिसमें टेलीफोन लगे हुए है और जिसमें यानों को रखने, उनके अनुरक्षण और सरम्भत की सुविधा है;

(6) यह कि आवेदक के वित्तीय स्तरों मोटर कींबों के निरंतर अनुरक्षण और स्थापन के क्षेत्र प्रबंध की अवस्था मन्त्रे के लिए पर्याप्त है;

(7) यह कि आवेदक आपक जीमा किए गए, ठाक हालत में होने के प्रभावों में यकृत और अद्यतन मोटर यान कर सकता किए गए कम से कम 50 ऐसे मोटर कींबों का अनुरक्षण करता है जिनमें से 50 प्रतिशत बानेन्कूलित हैं जो सम्मक रुप से अधिनियम की घारा 88 की उप-तारा (9) के अधीन दिए गए परमिट के प्रत्यक्षत आते हैं।

परन्तु अनुज्ञापन प्राधिकारी की अधिकारिता से बाहर के किसी स्थान में अवस्थित शास्त्र कार्यालय के लिए अनुज्ञाप्ति की दशा में ऐसे शास्त्र कार्यालय छांड कम से कम पांच मोटर कींबों का अनुरक्षण किया जान पर्याप्त होगा।

6. अनुज्ञाप्ति का दिया जाना—अनुज्ञापन प्राधिकारी, पैरा 4 के अधीन आवेदन के प्राप्त होने पर और उसका यह समाप्त हो जाने पर कि आवेदक ने पैरा 5 की अपेक्षाओं का पालन कर दिया है, अवस्थिति प्रकृत 3 या प्रकृत 4 में अनुज्ञाप्ति दे सकेगा उसे नवीकृत कर सकेगा:

परन्तु अनुज्ञाप्ति के लिए कोर्ई भी आवेदन अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा तब तक अनुकूल नहीं किया जाएगा जब तक कि आवेदक को मुक्ताई का अवसर नहीं दे दिया जाता और अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा ऐसे अस्वीकार किए जाने के कारण उसको लिखित में नहीं दे दिया जाते।

7. अनुज्ञाप्ति की अवधि—पैरा 6 के अधीन भी गई या नवीकूल की गई अनुज्ञाप्ति इसके दिए जाने या नवीकृत किए जाने की सारी बाबत से आवेदक की अवधि तक विधिमाला में होनी:

परन्तु पैरा 4 के छांड (3) के अधीन लिखिट शास्त्र कार्यालयों की आवेदन अनुज्ञाप्तियों की दशा में ऐसी अनुज्ञाप्ति की विधि माल्यता मुख्य कार्यालय की बाबत वी गई अनुज्ञाप्ति की विधिमाल्यता तक ही मीमित होगी।

8. अनुज्ञाप्ति के धारक द्वारा पालन की जाने वाली साधारण शर्तें—अनुज्ञाप्ति का धारक—

(1) एक रजिस्टर रखेगा जिसमें प्रकृत 5 में निर्दिष्ट विशिष्टियां अंतर्विल्प करते हुए ऐसे यान के लिए एक पृष्ठक पृष्ठ होगा और यहां कोई मोटर कैब किसी विदेशी राईट्रॉक द्वारा किए गए यानों की अवधि द्वारा अनुज्ञाप्ति के लिए रजिस्टर प्रकृत 6 में रखेगा;

(2) उस अनुज्ञापन प्राधिकारी के, जिसने अनुज्ञाप्ति दी थी, लिखित में पूर्व अनुमोदन के बिना अनुज्ञाप्ति में वर्णित कारबार का मुख्य स्थान नहीं बदलेगा।

(3) अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा या किसी ऐसे अवधि द्वारा, जो मोटर यान निरीक्षक की प्रविति से नीचे का न हो और जिसे अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किया जाए सभी युक्तियुक्त गम्य पर निरीक्षण के लिए परिसर और सभी अविनियोग और रखे गए रजिस्टर तथा मोटर कैब सुलें रखेगा।

(4) अनुज्ञापन प्राधिकारी को समय समय पर ऐसी जानकारी और विवरणी प्रस्तुत करेगा जो उसके द्वारा मांगी जाए;

(5) अपने मुख्य कार्यालय और शास्त्र कार्यालय के प्रमुख मूल स्थान में जारी भी गई अनुज्ञाप्ति और उसकी प्रमाणित प्रतियां, जो अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा अनुप्रमाणित की जाए, प्रदर्शित करेगा;

(6) अपने मुख्य कार्यालय और शास्त्र कार्यालयों के सहज वृश्य स्थान पर प्रकृत 7 में एक "शिकायत पुस्तक" रखेगा जिसमें तीन प्रतियां में क्रमात्मक संख्याक्रित पृष्ठ होंगे। अनुज्ञाप्तिधारी शिकायत की, यदि कोई हो, दूसरी प्रति शोषणा से और किसी भी दशा में 3 दिन के अवधित रजिस्ट्रीकून डाक द्वारा अनुज्ञापन प्राधिकारी को भेजेगा।

(7) अपने मुख्य कार्यालय और शास्त्र कार्यालयों में एक सुसाब वेटी रखेगा और अपनी टिप्पणी संशित यदि कोई हो, प्राप्त किए गए सुसाबों को भास में एक बार अनुज्ञापन प्राधिकारी को अप्रेषित करेगा।

(8) जहाँ सरकार के अनुमोदन से किसी विवेशी महायोग में कारबार कर रहा है, वह वह तथ्य केवलीय सरकार के पर्यटन विभाग के विनियिष्ट अनुमोदन सहित कार्यालय परिसर में प्रवर्शित किया जाना चाहिए।

9. किग्राया प्रभारों का संग्रहण:—अनुशासित का धारक विवेशी राष्ट्रीय या अनिवासी भारतीयों से विवेशी मुद्रा में ही किग्राया प्रभार एकलित करेगा और विवेशी मुद्रा में संव्यवहार करने के प्रयोगन के लिए अनुशासित धारण करेगा।

10. मोटर कैबों के प्रबलेता के कर्तव्य और उत्तरदायत्व:—
(1) प्रत्येक प्रबलेता का यह कर्तव्य होगा कि वह समय समय पर अनुशासित के धारक को भ्रमने संचलन के बारे में सूचित करे।

(2) यदि किसी व्याप्ति या कंपनी में पर्यटन पक्ष के प्रधान के रूप में यान किग्राया पर लिया है तो ऐसे पक्ष के प्रधान का यह कर्तव्य होगा कि वह समय-समय पर अनुशासित के धारक को प्रत्येक यान के संचलन के बारे में सूचित करे।

11. अनुकापन प्राधिकारी की अनुशासित को निलंबन या रद्द: करने की शक्ति:—(1) यदि अनुशासित के धारक को सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् अनुकापन प्राधिकारी का यह समाधान हो जाता है कि:—

(क) वह पैरा 8 या पैरा 9 के उपबंधों का अनुपालन करने में असफल रहा है; या

(ख) वह अधिनियम और नियमों के उपबंधों के अनुपालन में मोटर कैब रखने में असफल रहा है; या

(ग) उसके किसी कर्मचारी ने ग्राहकों से कदाचार किया है; या

(घ) किसी अवशेषा द्वारा अनुशासित धारी के विरुद्ध कोई शिकायत युक्तिपूर्ति शोशय से परे साचित हो गई है;

तो अनुकापन प्राधिकारी (1) किसी विनियिष्ट अवधि के लिए अनुशासित निलंबित कर देगा या (2) अनुशासित को रद्द कर देगा।

(2) जहाँ अनुशासित रद्द या निलंबन किए जाने के लिए बाधी है और अनुकापन प्राधिकारी की यह राय है कि मामले की परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए अनुशासित को रद्द या निलंबन करना आवश्यक या समीचान नहीं होगा, वहाँ यदि अनुशासित का धारक ऐसा युक्ति देने के लिए महमत हो जाता है जो अनुकापन प्राधिकारी द्वारा प्रधिनियम किया जाए तो खंड (1) में किसी बात के होते हुए भी अनुकापन प्राधिकारी, अनुशासित को, यथास्थिति, रद्द या निलंबन करने के बजाय, अनुशासित के धारक से उक्त जुर्माना बसूल कर सकेगा।

(3) जुमानि की वसूली के प्रयोजन के लिए राज्य सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, निर्णयन के प्रत्येक यित्र के लिए वसूलीय रकम और अनुशासित के रेकरण के बदले में वसूलीय रकम विनियिष्ट कर सकती और वह समय भी विनियिष्ट कर सकती जिसके भीतर तथा कोई रकम संबंध है, जिसके न होने पर खंड (1) के अधीन पारित आवेदन कार्यान्वयन किए जाएंगे।

(4) जब अनुशासित खंड (1) के प्रधीन निलंबित या रद्द कर दी गई हो तब अनुशासित का धारक अनुकापन प्राधिकारी को अनुशासित अध्ययित कर देगा।

12. अपील:—पैरा 6 या पैरा 11 के अधीन अनुकापन प्राधिकारी के किसी आदेश से अधिकत जोई अधिकारी, आवेदन के प्राप्त होने के 30 दिन के भीतर, राज्य परिवहन अपील प्रधिकरण को अपील कर सकेगा।

13. अपील के लिए प्रक्रिया—(1) पैरा 12 के अधीन कोई अपील अनुकापन प्राधिकारी के आवेदन के प्रति आवेदनों के आधार अवालों के रूप में जो आप्ति यों में को जाएगी और उसके राज एंसो फीस होती जो राज्य सरकार द्वारा, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, विनियिष्ट की जाए।

(2) राज्य परिवहन अपील प्रधिकरण पक्षकारों को सुनवाई का अवसर देने और ऐसी जांच करने के पश्चात्, जो वह आवश्यक समझे, समुक्त आदेश पारित कर सकेगा।

14. अनुशासित का स्वेच्छया अध्ययन—अनुशासित का धारक उसको जारी की गई अनुशासित किसी भी समय उस अनुकापन प्राधिकारी को अध्ययन कर पक्षका करने के पश्चात् दी दी और इस प्रकार अध्ययन करने पर अनुकापन प्राधिकारी अनुशासित को रद्द कर देता। अनुशासित का धारक, अनुशासित अध्ययन करने में पहले, पैरा 11 के खंड (2) में नियिष्ट बदलाव वह गण का सदाय करेगा।

[पा.सं. 31014/3[89 टी ए जी]

प्रस्तुप 1

[पैरा 4 (1) विविध]

मुख्य कार्यालय वी बायल मोटर कैबों वो किग्राया पर देने के लिए अनुशासित देने या नवीकरण के लिए आवेदन

सेवा में,

राज्य परिवहन प्राधिकरण

—राज्य/संघ राज्य थोक

में, अधीक्षताशरीर—राज्य में मोटर कैबों को किग्राया पर देने के लिए अनुशासित देने के लिए आवेदन करता है:—

1. पूरा नाम

2. (क) पूरा पता
पल्ली/गुड़ा/पुर्बी

(ख) फोन नम्बर

3. आयु

4. (क) परिवहन कारबार के प्रबंध में अनुभव

(ख) विधिमात्र वर्तमान धारित मोटर कैबों की सख्ता

5. अनुशासित की विशिष्टता, यदि वह पहले से ही धारण की हुई हो

6. (क) विशृत पते सहित वह स्थान जहाँ आवेदक का मुख्य कार्यालय है।

(ख) विशृत पते सहित वह स्थान जहाँ आवेदक का शास्त्र कार्यालय है।

नगर (नगरों) का नाम

(ग) प्रत्येक शाखा कार्यालय में आवधित किए जाने वाले मोटर कैबों की संख्या

7. आवेदक के विशेष स्वीकारों की प्रकृति और उनकी सीमा

8. राजस्वीकरण चिन्ह के धूर्णे सहित स्वामित्व में के मोटर कैबों की विशिष्टता

9. उस स्थान का पूरा विवरण जहाँ कारबार किया जाता है—

(क) स्थिति, चूला धोका, आवृत्त धोका

(ख) कोई ग्रन्थ विशिष्टता

10. मैं मोटर कैबों को किग्राया पर देने का कारबार करने की घटी से अवगत हूँ।

11. मैं यह धोपणा करता हूँ कि मेरी भवांत्सम जानकारी और विषयाम के अनुमान उपर दी गई विशिष्टता सही और ठीक है।

पांच सौ रुपये की विवित फीस*—द्वारा सदम की जा रही है साथी*

तारीख*

प्रावेदक के हस्ताक्षर
(*पहाँ संदाय का प्रकार उपदर्शित करें।)

प्रस्तुप 2

[पैग 1 (3) देखिए]

मन्य राज्य में शास्त्र कार्यालय की आपत मोटर ईंच को किराए पर देने के लिए अनुमति देने/नवीकरण के लिए आवेदन

सेवा में,

राज्य परिवहन प्राधिकरण

—राज्य

मैं, अधिकारी, ————— राज्य में अपने शास्त्र कार्यालय में मोटर ईंचों को किराए पर देने के लिए अनुमति दिए जाने के लिए प्रावेदन भरता हूँ।

1. पूरा नाम
पल्ली/पुत्र/पुत्री
2. पूरा पता (शास्त्र कार्यालय)
फोन नम्बर
3. आयु
4. (क) परिवहन कारबार के प्रबंध में अनुभव।
(ब) प्रस्तुति शास्त्र कार्यालय में विधिमान्य पर्मिटों सहित आरित मोटर ईंचों की संख्या
5. मुख्य कार्यालय के निए आरित अनुमति का विशिष्टिया—
(क) वह प्राधिकरण जिसने अनुमति दी है
(ब) जारी करने की तारीख
(ग) अवसान की तारीख
6. वह स्थान जहाँ आवेदक का मुख्य कार्यालय है
7. आवेदक के वित्तीय स्थिति की प्रकृति और उनकी सीमा
8. पर्मिटों के व्यापे, गत्योदयकरण संबंधीक आदि सहित स्थानिक में के मोटर ईंचों की विशिष्टियाँ।
9. उस शास्त्र कार्यालय का पूरा वर्णन जहाँ कारबार किया जाना है—
(क) स्थिति, चुनाव अंतर, आवृत्त अंतर
(ब) कीदूर अल्प विशिष्टियाँ।
10. मैं यह घोषणा करता हूँ कि मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार अपर दी गई विशिष्टियाँ सही और ठीक हैं।

एक हजार रुपए की विहित कीमि ————— हारा संवत की जा रही है।

स्थान :

तारीख :

आवेदक के हस्ताक्षर

*यहाँ संदाय का प्रकार उपलब्धित करें।

प्रस्तुप 3

(पैग 6 देखिए)

मोटर ईंचों को किराए पर देने के लिए अनुमति—मुख्य कार्यालय

निम्नलिखित व्यक्ति को मोटर ईंच किराए पर देने के लिए अनुमति दी जाती है। इस संबंध में विशिष्टिया इस प्रकार हैः—

आवेदक का नाम :

पल्ली/पुत्र/पुत्री

कारबार के स्थान का पूरा पता

किराए पर देने के लिए प्राधिकरण मोटर ईंच का रजिस्ट्रीकरण चिन्ह
मुख्य कार्यालय शास्त्र कार्यालय

1	2	3
4	5.	6.
7.	8.	9.
10.	11.	12.

2. यह अनुमति ————— तारीख को जारी की गई और यह तारीख तक विधिमान्य है।

राज्य परिवहन प्राधिकरण
—राज्य/संघ राज्य द्वारा

नवीकरण

—तारीख से ————— तारीख तक नवीकरण की गई।

राज्य परिवहन प्राधिकरण
—राज्य संघ राज्य द्वारा

प्रस्तुप 4

(पैग 6 देखिए)

मोटर ईंचों को किराए पर देने के लिए प्रत्यापिता—शास्त्र कार्यालय निम्नलिखित व्यक्ति को मोटर ईंचों को किराए पर देने के लिए अनुमति दी जाती है। इस संबंध में विशिष्टिया इस प्रकार हैः—

आवेदक का नाम

पल्ली/पुत्र/पुत्री

शास्त्र कार्यालय का पूरा पता

जहाँ मुख्य कार्यालय स्थित है उसका पता

अनुमति संख्याक और वह प्राधिकरण जिसने अनुमति पारी की है

शास्त्र कार्यालय में किराए पर देने के लिए प्राधिकरण मोटर ईंचों का रजिस्ट्रीकरण चिन्ह—

2. यह अनुमति ————— तारीख को जारी की गई और यह तारीख तक विधिमान्य है।

राज्य परिवहन प्राधिकरण
—राज्य/संघ राज्य द्वारा

नवीकरण

—तारीख से ————— तारीख तक नवीकरण की गई।

राज्य परिवहन प्राधिकरण
—राज्य/संघ राज्य द्वारा

प्रक्रम 7

(नियम 9)

मोटर ईंच कियाए पर देने वाले अनुचितिवारी हारा रखा जाने वाला रजिस्टर

प्रम. अवकेला का नाम	पूरा नाम	फोन नं., यदि कोई हो	मोटर वालन किसके हारा जारी किया गया वर्ग	जारी करने की तारीख
म.				
1	2	3	4	5
6	7	8		

अवमान की तारीख कियाए पर लेने की तारीख- यात वापस करने की भी भीटर यात कुप्र किनने अवकेला के हस्ताक्षर दिएगिया और समय तारीख और समय किलोमीटर उपयोग में लाया गया

9	10	11	12	13	14
---	----	----	----	----	----

प्रक्रम 6

[विरा 8(1) देखिए]

जहा मोटर ईंच किसी विदेशी को कियाए पर दी जानी है वहां मोटर ईंच कियाए पर देने वाले अनुचितिवारी हारा रखा जाने वाला रजिस्टर

प्रम. अवकेला का नाम	पूरा नाम	फोन सं., यदि कोई हो	वालन अनुचित से	किसके हारा जारी किया गया (प्राधिकारी)	
म.					
1	2	3	4	5	6

यात का वर्ग	जारी करने की तारीख	अवमान की तारीख	पामपोर्ट सं.	किस प्राधिकारी हारा दिया गया और राज्य/गढ़	
7	8	9	10	11	

पामपोर्ट जारी करने की अवमान की तारीख तारीख	पामपोर्ट के अनुसार जन्म की तारीख	अन्तर्राष्ट्रीय वालन परमिट अन्तर्राष्ट्रीय वालन परमिट अन्तर्राष्ट्रीय वालन परमिट के अवमान की तारीख करने वाला प्राधिकारी			
12	13	14	15	16	17

उस यात का वर्ग जिसे फिराए पर लेने की यात वापस लौटाने की अवकेला के हस्ताक्षर दिएगिया	मोटर यात कुप्र किनने अवकेला के हस्ताक्षर दिएगिया
वालने के लिए प्राधि- तारीख और समय तारीख और समय	फिलोमीटर उपयोग में लाया गया
है	
18	19

20

21

22

23

प्रक्रम 1

[तिथि 8(vi) देशिय]

जिकायत पृष्ठम (सीन प्रतियों में काम से संबंधित पृष्ठों में)

1. शिकायत करने वाले का नाम
2. पूरा पता
3. "कियाए पर कैब देना" के लिए अनुच्छेद के धाराएँ का नाम और प्रमाण
4. अनुच्छेद का संबंधित और वह प्राधिकरण जिसने अनुच्छेद जारी की है।
5. यात्रा को कियाए पर बेतों की भारीता और समय और जब यात्रा बास किया गया उक्ती भारीता और समय
6. यात्रा संबंधित

मंदोरा में शिकायत

नामीक्षण :

स्थान :

त्रिपुरा

संवाद में

1. यात्रा परिवहन प्राधिकरण— (दूसरी प्रति), राजिनीकांग डाक बाटा।
2. शिकायत करने वाला— (तीसरी प्रति)

S.O. 437(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 75 of Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), the Central Government hereby makes the following scheme for regulating the business of renting of motor cabs to persons desiring to drive the cabs for their own use and matters connected therewith, namely :—

1. Short title, commencement and applicant.— (1) This scheme may be called Rent a Cab Scheme, 1989.

(2) It shall come into force on the first day of July, 1989.

(3) It shall apply to all motor cabs to which tourist permits have been issued under sub-section (9) of section 88 of the Act and operating under a licence granted in terms of para 6.

2. Definition.—In this section unless the context otherwise requires,

- (a) "Act" means Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988);
- (b) "Form" means a Form appended to this scheme;
- (c) "licence" means a licence granted or renewed under paragraph 6 to engage in the business of renting of motor cabs to persons desiring to drive the cabs themselves for their own use;
- (d) "licensing authority" means the State Transport Authority constituted under sub-section (1) of section 68 of the Act;
- (e) "operator" means the holder of a permit issued under sub-section (9) of section 88 of the Act in respect of not less than 50 motor cabs;

3. Licensing of operators.— No person shall engage himself in the business of renting a motor cab under this scheme without a licence.

4. Application for grant or renewal of licence.—(1) An application for the grant or renewal of a licence under paragraph 6 shall be made in Form 1 to the licensing authority having jurisdiction in the area in which he resides or has his principal place of business (hereafter referred to as main office) and shall be accompanied by a fee of rupees five thousand.

(2) Where the applicant, has besides the main office, branch office within the jurisdiction of the licensing authority referred to in clause (1), the application shall indicate such places with the number of motor cabs proposed to be stationed at each such place.

(3) Where the applicant has branch offices outside the jurisdiction of the licensing authority, the application shall be made to the licensing authority in whose jurisdiction the branch office is situated, in Form 2 accompanied by a fee of rupees one thousand in respect of each such branch offices.

5. Scrutiny of application.—A licensing authority shall, before granting or renewing a licence take into consideration the following namely :—

- (i) That applicant has a good moral character and has intimate knowledge of passenger transport business;
- (ii) That the main office or the branch office of the applicant is either owned by the applicant or is taken on lease by him or is hired in his name and it has adequate space for reception room, administrative section, cloak room with locker facilities, sanitary blocks, sufficient covered space for the motor cabs;
- (iii) That the applicant has necessary facilities for the housing maintenance and repair of his vehicles;
- (iv) That the applicant has at least one telephone which is accessible throughout day and night;
- (v) That the applicant has branch offices, with telephones, in not less than 5 cities of tourist importance with facilities for housing maintenance and repair of vehicles;
- (vi) That the financial resources of the applicant are sufficient to provide for the continued maintenance of motor cabs and for the efficient management of the establishment;
- (vii) That the applicant maintains not less than 50 motor cabs of which 50 per cent is air-conditioned duly covered by permits issued under sub-section (9) of section 88 of the Act, with comprehensive insurance, fitness certificate, motor vehicles tax paid upto date :

Provided that in the case of licence for a branch office situated in a place outside the jurisdiction of the licensing authority, it shall be sufficient, if such branch office maintains not less than five motor cabs.

6. Grant of licence.—The licensing authority may, on receipt of an application under paragraph 4 and after satisfying himself that the applicant has complied with the requirements of paragraph 5, grant or renew the licence in Form 3 or, as the case may be, in Form 4.

Provided that no application for a licence shall be refused by the licensing authority unless the applicant is given an opportunity of being heard and reasons for such refusal are given in writing by the licensing authority.

7. Duration of licence.—A licence granted or renewed under paragraph 6 shall be valid for a period of five years from the date of grant or renewal :

Provided that in the case of licences in respect of branch offices referred to under clause (3) of paragraph 4, the validity of such licence shall be restricted to the validity of the licence granted in respect of main office.

8. General conditions to be observed by the holder of the licence.—The holder of a licence shall,—

- (i) maintain a register with a separate page for such vehicle containing the particulars specified in Form 5 and where a motor cab is hired by a foreign national, shall maintain a register in Form 6.
- (ii) not shift the principal place of business mentioned in the licence without the prior approval in writing of the licensing authority which granted the licence.
- (iii) keep the premises and all the records and register maintained and the motor cabs open for inspection at all reasonable times by the licensing authority or by any person not below the rank of motor vehicle inspector as may be authorised in this behalf by the licensing authority;
- (iv) submit, from time to time, to the licensing authority such information and return as may be called for by it;
- (v) display at a prominent place in its main office and its branch office, the licence issued in original and certified copies thereof, attested by the licensing authority;
- (vi) maintain in their main office and branch offices in a conspicuous place a "complaint book" in the Form 7 with serially numbered pages in triplicate. The licensee shall despatch the duplicate copy of Complaint, if any, to the licensing authority by registered post expeditiously and in any case not later than 3 days.
- (vii) maintain a suggestion box in the main office and branch offices and forward their suggestions received with their comments, if any, to the licensing authority, once a month.
- (viii) where he is having a foreign collaboration with the approval of the Government, this fact should be displayed in the office premises, with the specific approval of Department of Tourism of the Central Government.

9. Collection of hire charges.—The holder of a licence shall collect the hire charges from a foreign national or a non-resident Indians only in foreign exchange and shall hold for the purpose a licence to transact in foreign exchange.

10. Duties and responsibilities of hires of motor cabs.—

(1) It shall be the duty of every hire, to keep the holder of the licence, informed of his movements, from time to time.

(2) If an individual or company has hired the vehicle as leader of the tourist party, it shall be the duty of such leader of the party to keep the holder of the licensee, informed of the movement of each vehicle, from time to time.

11. Power of licensing authority to suspend or cancel the licence.—

(1) If the Licensing Authority is satisfied after giving the holder of the licence, an opportunity of being heard, that he has—

- (a) failed to comply with the provisions of paragraph 8 or 9, or
- (b) failed to maintain the motor cab in compliance with the provisions of the Act and rules; or
- (c) any one of his employee has misbehaved with the customers; or
- (d) any complaint against the licensee by any hirer has been proved beyond reasonable doubt;
- (i) suspend the licence for a specified period, or
- (ii) cancel the licence.

(2) Where the licence is liable to be cancelled or suspended and the licensing authority is of opinion that having regard to the circumstances of the case, it would not be necessary or, expedient to cancel or suspend the licence, if the holder of the licence agrees to pay the fine that may be imposed by the Licensing Authority, then notwithstanding anything contained in clause (1), the licensing authority may, instead of cancelling or suspending the licence, as the case may be recover from the holder of the licence the said fine.

(3) For the purpose of recovery, the fine the State Government may, by notification in the official Gazette, specify the amount recoverable for each day of suspension and the amount recoverable in lieu of cancellation of the licence and specify the time within which the sum of money agreed upon is payable failing which the orders passed under clause (1) shall be implemented.

(4) When the licence is suspended or cancelled under clause (1), the holder of the licence shall surrender the licence to the Licensing Authority.

12. Appeal.—Any person aggrieved by any order of the Licensing Authority under paragraph 6 or paragraph 11, may within 30 days of the receipt of the order, appeal to the State Transport Appellate Tribunal.

13. Procedure for Appeal.—(1) An appeal under paragraph 12 shall be preferred in duplicate in the form of a memorandum setting forth the ground of objections to the order of the Licensing Authority and shall be accompanied by a fee as may be specified by the State Government, by notification, in the Official Gazette.

(2) The State Transport Appellate Tribunal may after giving an opportunity to the parties to be heard and after such enquiry as it may deem necessary, pass appropriate orders.

14. Voluntary surrender of the licence.—The holder of a licence may at time surrender the licence issued to him to the Licensing Authority which granted the licence and on such surrender, the licensing authority shall cancel the licence. The holder of the licence before surrendering the licence shall clear the dues referred to in clause (2) of paragraph 11.

FORM 1

[See paragraph 4(1)]

Application for grant or renewal of licence for renting motor cabs in respect of main office

To

The State Transport Authority.

..... State/UT

I, the undersigned hereby apply for a licence for renting motor cabs in the State of

1. Full name
Son/wife/daughter of
2. (a) Full address :
(b) Telephone No.
3. Age
4. Experience in the management of transport business
(b) No. of motor cabs held with valid permit.
5. Particulars of Licence.
If already held.
6. (a) Place where the applicant has his main office with detailed address.
(b) Place where the applicant has his branch office with detailed address.
name of Town(s)
(c) the number of motor cabs to be stationed in each branch office.
7. Nature and extent of financial resources of the applicant.
8. Particulars of Motor Cabs owned alongwith details of Registration Mark.
9. Full description of the place where the business is to be carried on—
(a) Location, open area,
covered area
(b) Any other particulars
10. I am conversant with the conditions for carrying the business for renting of Motor Cabs.
11. I hereby declare that to the best of my knowledge and belief the particulars given above are correct and true.
The prescribed fee of rupees five thousand is paid by*.....

Place

Date :

Signature of Applicant

(*Here indicate mode of payment).

FORM 2

[See paragraph 4(3)]

Application for grant or renewal of licence for renting of motor cabs in respect of Branch Office, in another State

To

The State Transport Authority.

..... State/UT

I, the undersigned hereby apply for a licence for renting motor cabs in my Branch Office in the State of

1. Full Name :
Son/wife/daughter of
2. Full address (Branch Office)
Telephone number

3. Age
4. Experience in the management of Transport business.
 - (b) number of motor cabs held with valid permits in the proposed Branch Office.
5. Particulars of licence held for Main Office -
 - (a) Authority which granted the licence
 - (b) Date of issue
 - (c) Date of expiry
6. Place where the applicant has Main Office.....
7. Nature and extent of financial resources of the applicant.
8. Particulars of motor cabs owned with details of permits, registration number etc.
9. Full description of the branch office where the business is to be carried out.
 - (a) Location, open area, covered area.
 - (b) Any other particulars.
10. I hereby declare to the best of my knowledge and belief the particulars given above are correct and true.

The prescribed fee of rupees one thousand is paid by*.....

Place:

Date :

Signature of applicant

*indicate the mode of payment.

FORM 3

[See Paragraph 6]

Licence for renting motor cabs—Main Office

Name of the operator

Son/wife/daughter of

Full address of the place of business :

Registration Mark of motor cabs authorised for renting

Main Office	Branch Office
1.	2.
4.	5.
7.	8.
10.	11.
12.	13.

is licensed to rent motor cab.

This licence is issued on.....and is valid upto.....

State Transport Authority
.....State/UT

Renewal

Renewed from.....to.....

State Transport Authority
.....State/UT

FORM 4

[See paragraph 6]

Licence for renting of motor Cabs—Branch Office

Name of the operator

Son/wife/daughter of

Full address of the Branch Office.....

Address where the Main Office is situated

Licence number and the Authority which issued the licence with its date of expiry.....

Registration Mark of motor cabs authorised for renting in the Branch Office
is licensed to rent motor cabs

The licence is issued onand is valid upto.....

State Transport Authority
.....State/UT

Renewal

Renewed from.....to.....

State Transport Authority
.....State/UT

FORM 5

[See paragraph 8(i)]

Register to be maintained by Rent a Motor Cab Licencee

Sr No.	Name of Hirer	Full address	Telephone No. if any	Motor Driving Licence No.	Issued by (Authority)	Class of vehicle	Date of issue
1	2	3	4	5	6	7	8

Date of Expiry	Date and Time of Hire	Date and Time of returning vehicle	Motor vehicle used for total kilometers	Signature of Hirer	Remark
9	10	11	12	13	14

FORM 6

[See paragraph 8(i)]

Register to be maintained by Rent a Motor Licence in case where the motor cab is hired to a foreigner

Sr. Name of Hirer No.	Full Address	Telephone No. if any	Motor Driving Licence No.	Issued by (Authority)	Class of vehicle	Date of Issue	Date of expiry	Passport No.	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

Issued by the Authority and State/Nation	Date of issue of passport	Date of expiry	Date of birth as per passport	Driving permit No. if any	Date of issue of Driving permit	Class of vehicle	Date and time of Authorised to drive	Date and time of Hire	Date and time of returning vehicle	Motor vehicle used for total Kms.	Signature of Hirer
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	

Remarks

22.

FORM 7

[See paragraph 8(vi)]

Complaint Book (with pages serially numbered in Triplicate)

1. Name of the complaint :
2. Full address :
3. The name and address of the holder of the licence for 'Rent a Cab'
4. Licence number and the authority which issued the licence.
5. The date and time of hiring the vehicle and date and time when the vehicle was returned.
6. Vehicle number

Complaint in brief :

Date :

Place :

Signature

1. The State Transport Authority.....(Duplicate copy) by Registered Post.
2. The complainant.....(Triplicate copy).

कांगड़ा 438(अ) :—केन्द्रीय सरकार, मोटर यात्रा अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 38 की अधारा (8) के अनुसार सरण में और भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय की तरीके 9 प्राप्त, 1971 की अधिसूचना संख्यांक कांगड़ा 1008 को अधिकार फरंदे हुए, यह विनिर्दिष्ट करती है कि उक्त उपधारा में निर्दिष्ट विशेष परिमिटों के अंतर्गत आने वाले शोक सेवा यात्रों को समनुदेशित किए जाने वाला विशेष सुभेद्रक विक्री का प्रस्तुत वह सूचना जो नीचे उन्नायित किया गया है और कि उक्त सुभेद्रक विक्री उक्त यात्रा के हवा से भवने के लिए शीघ्रे पर प्रमुख रूप से प्रदर्शित किया जाएगा।

विशेष गुमेश्वक विक्री

विमा
किलोग्रा 10 मिलिमू
कूल व्याप 100 मिलिनॉ
रंग
मध्य-हुल्का रंग
विनाराज्याम

संस्थान
लिंगो ए परमिट, संरक्षणार्का :
मीटर यात्रा अधिनियम 1988
की द्वारा ४४४ इक्केंद्र
अधीन जारी किया गया
— द्वारा जारी किया गया
लक विधिमाला

टिप्पणी : यात्रा के स्वासे बद्धने
के द्वारा पर प्रमुख रूप
से प्रपार्शित किया
जाना चाहिए।

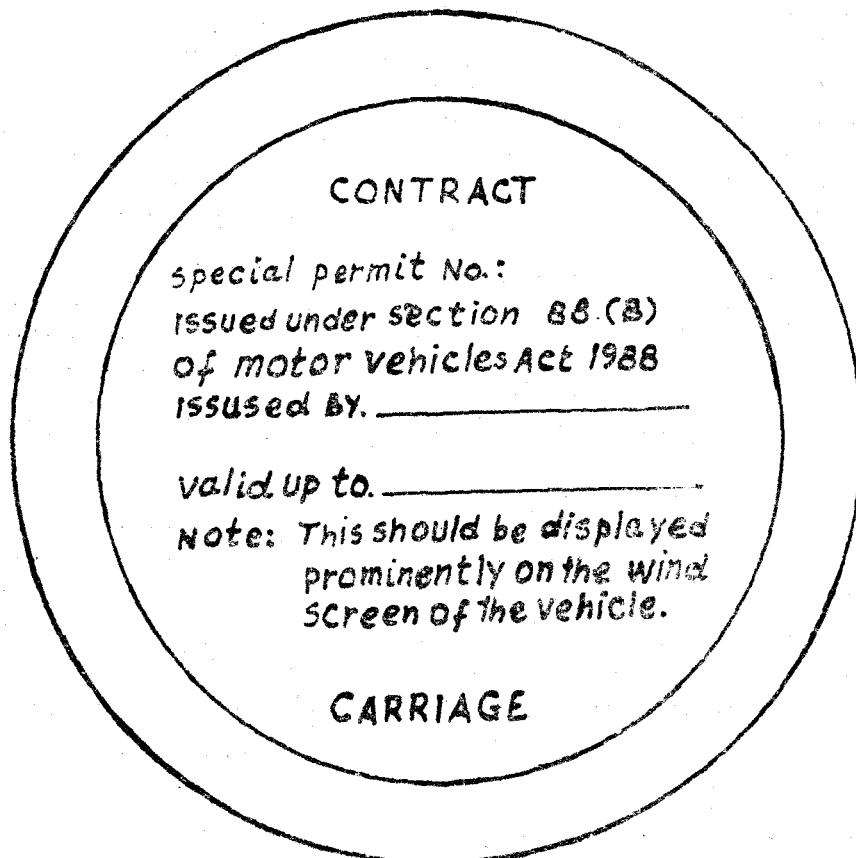
2. यह अधिसूचना 1 जुलाई,
1989 को प्रवृत्त होगी।

— खाला

S.O. 438(E).—In pursuance of sub-section (8) of section 88 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport No. S.O. 1008, dated the 9th August, 1971, the Central Government hereby specifies that the form of special distinguishing mark to be assigned to public service vehicles covered by special permits referred to the said sub-section, shall be as indicated below and that the said distinguishing mark shall be displayed prominently on the wind screen of the said vehicle,

Special Distinguishing Mark

Dimensions
 Border 6 mm
 Overall Diameter 100 mm
 Colour
 Centre-Light Blue
 Border-Red



2. This notification shall come into force on the first day of July, 1989.

(ग) यदि यात्रक वाई और मुड़ना चाहता है तो मड़क के बाई और यात्रक चालना चाहता है तब वह आर्या दाई बाई को धाहर निकालेगा और उसे यापावन दिशा में पुमाएगा।

(ङ) यदि दाई चालक अपने पीछे के यात्रे के चालक को यह बताना चाहता है कि वह चाहता है कि पीछे के यात्रे का चालक आर्ये निकल जाए तब वह अपने यात्रे की दाई आर्ये में अपनी दाई भूजा और हाथ को धैरिज हो में वाहर निकालेगा और बाहर की अर्ध-नृत्याकार गति में यापोर्नी करेगा।

दिशा सूचक

14. त्रिनियम 12 में निर्दिष्ट मंकेनों को अंतिक्रिया या वैश्वनविनियमों द्वारा सरल भी पिया जा सकेगा।

यात्रों को पार्क करना

15. (1) योटरयात्रा का प्रत्येक चालक किसी मड़क पर यात्रा को पार्क करते समय ऐसी रीति से पार्क करेगा कि उसमें मड़क के अन्य उपयोग-कर्ताओं को कोई छनरा और रोत्र या अपायक अनुभविता नहीं होती है या होने की संभावना नहीं है और यदि पार्क करने की रीति किसी मंकेन बोर्ड या मड़क के किनारे चिह्नित द्वारा उद्दिष्ट की गई है तो उह अपने यात्रा को उसी रीति से पार्क करेगा।

(2) योटरयात्रा का कोई चालक अपने यात्रा को नियन्त्रित स्थान पर पार्क नहीं करेगा।

- (1) किसी सड़क लौटाहे, मोड़, पहाड़ी के शीर्ष या उभरे पुल पर या उसके निकट,
- (2) पैशल रास्ते पर;
- (3) यातायात प्रकाश या पैशल-पार-पथ के निकट;
- (4) मुख्य सड़क में या किसी मड़क पर त्रिप पर तीव्र गति यातायात चलना है;
- (5) अन्य छड़े वाहन के सामने या अन्य वाहन की बाधा के रूप में;
- (6) अन्य छड़े वाहन के बगान में;
- (7) किसी सड़कों पर या सड़कों के ऐसे स्थानों पर जहाँ छंडित रेखा सहित या उसके बिना निरंतर छेने रेखा है;
- (8) बस प्रहृष्ट, विद्यालय या अप्पायाम के प्रवेश के निकट या ऐसे स्थान पर जहाँ यातायात गंभीर या परिसरों या बंधों के प्रवेश में बाधा पहुंचती हो;
- (9) सड़क की गजन ओर;
- (10) जहाँ छड़ा करने का प्रतियोगी है;
- (11) पैदल पथ के किनारे से दूर।

दीपों और रजिस्ट्रीकरण चिन्हों की दृश्यता

16. (1) किसी योटरयात्रा पर कोई भार या अन्य माल हम प्रकार जिसमें कि वह अधिनियम द्वारा या उसके अधीन किसी योटरयात्रा पर अन्तर्भूत किए जाने वाले या प्रदर्शित किए जाने वाले अपेक्षित चिन्हों दोष, रजिस्ट्रीकरण चिन्ह या अन्य चिन्ह यों कुक्कना है या उनकी दृश्यता से अन्यथा अवश्यान चालनी है तब तक नहीं यह यातायात जब तक कि इस प्रकार कुक्कन या अन्यथा अपायट दीप या चिन्ह के स्थान पर अतिरिक्त दीप और चिन्ह अपेक्षित रूप में ऐसे हके या अपायट दीप या चिन्ह के प्रदर्शन के अधिनियम द्वारा या उसके अधीन अपेक्षित रूप में प्रदर्शित नहीं किया गया है।

(2) अधिनियम द्वारा या उसके अधीन योटरयात्रा पर प्रदर्शित किए जाने के लिए अपेक्षित यसीं अनियमीत हाथ और अन्य चिन्ह यसीं अन्य पद स्वनुल्लं और मुपायट दिशा में रखे जायेंगे।

प्रकरणका यातायात

17. कोई भी चालक-

- (1) किसी ऐसी मड़क पर जो 'प्रकरणका' अधिकारी की गई है, मंकेन बोर्ड द्वारा अधिनियम दिशा में ही मोटरयात्रा अवाधा नहीं।
- (2) किसी मड़क पर जो 'प्रकरणका' अधिकारी की गई है, पीछे की दिशा में या नहीं अवाधा।

गश्तिन योटक पर चालन (यात्रा यातायात)

18. (1) जहाँ किसी मड़क पर यातायात के चरणों के लिए गश्तिन अंकित की गई है तब वहाँ ऐसी मोटरयात्रा का चालक गरी के भीनेर यात्रा अतिक्रिया करेगा और यसीं को, ममुचित मंकेन देने के पश्चात् ही, प्रदर्शित करेगा।

(2) जहाँ किसी मड़क को पीरी गरी विभाजन मड़क द्वारा विनियम किया गया है वहाँ एक ही दिशा में आगे बढ़ते जाने यात्रा, जो एक-इमर्जेंसी में आगे निकलने का प्रयत्न कर रहे हैं, पीरी रेखा की पार नहीं उतरेंगे।

मड़क पृथक पर रहने का मंकेन

19. (1) जहाँ मड़कों के मिलने वाले स्थान पर या पैदल-पार पथ की पृथक पर या अन्यदा मड़क के पृथक पर कोई रेखा अकिन है या अधिकारी है, वहाँ कोई चालक किसी मोटरयात्रा को ऐसे चालित नहीं करेगा जिसमें कि उसका कोई भाग, किसी ऐसे ममय पर जब उसने जो कोई मंकेन किसी पूलिम अधिकारी द्वारा या यातायात नियंत्रण दीप के माध्यम द्वारा या किसी यातायात नियंत्रण के प्रवर्जन द्वारा दिया जा रहा हो, उन रेखा ने आगे निकला हुआ हो।

(2) इन विनियम के प्रयोजनों के लिए किसी रेखा का कोई भाग 50 किमीप्रीमिटर में कम ओड़ा नहीं होगा और वह या तो अवैत या अप्राप्य या पीली हो गकर्ता।

अनुकरणीय

20. (1) यांत्रिक दीप ने यातायात मोटरयात्रा या अपूर्ण दीप से मन्त्रित मोटरयात्रा, किसी अनियमीकरण ट्रैकर या माइक्रोट्रैकर से मिलते कोई यात्रा, किसी मोटरयात्रा द्वारा प्रदाय के प्रयोजनों के लिए और निकटन भरण-युक्त या गैरज लैट करित दिया जाने के मिलाएँ, अधिकारी द्वारा या अनुकरणीय नहीं किया जाएगा।

(2) कोई मोटरयात्रा किसी अन्य मोटरयात्रा द्वारा तब तक करित या अनुकरणीय नहीं किया जाएगा जब तक कि करित या अनुकरणीय किए जाने वाले मोटरयात्रा के चालक की सीट पर, यातायात के लिए उसे प्राप्तिकृत करने वाली अन्तर्गत वारण करने वाला कोई अकिन नहीं है या जब तक कि अनुकरणीय किए जाने वाले मोटरयात्रा की स्ट्रिप्परेशन लैटी मोटरयात्रा पर, जो उसे कर्तव्य या अनुकरणीय कर रहा है, क्रेत या अन्य युक्त द्वारा यड़क-पृथक के ऊपर दृढ़तावृद्धि या युक्तिन रूप से आवश्यक नहीं है।

(3) जब कोई मोटरयात्रा किसी यात्रा मोटरयात्रा द्वारा अनुकरणीय किया जा रहा हो, तब यात्रे वाले यात्रा के प्रियों और पीछे वाले यात्रे के गामने के भाग के बीच की यात्रा दूरी किसी भी मात्रा पर 5 मीटर में अधिक नहीं होगी। अनुकरणीय यात्रा जैसे यात्रे में प्रदर्शनी यात्रा अवश्यानी से प्रदर्शनी यात्रा की ओर अप्राप्य यात्रा और अनुकरणीय किए जाने वाले यात्रा के पीछे 75 गिली-मीटर में प्रत्यक्ष ऊंचे वर्ते अप्राप्यों में धैर्य रखें पृष्ठाधार पर 'अनुकरणीय' शब्द स्पष्टता प्रदर्शित किया जाएगा।

(4) कोई भी मोटरयात्रा, जब वह द्रेसर या गाइड-कार से विश्र कोई अन्य यान अनुचयित बार रहा हो, प्रति घंटा 25 किलोमीटर से अधिक गति पर चालन नहीं किया जाएगा।

हार्न का उपयोग और यान की अवधि

21. किसी भी यान का चालक—

(i) अनोखायक रूप में या सगातार या जितना सुरक्षा को मूल्यित्वन करने के लिए अधिक है उससे अधिक हार्न नहीं बजाएगा।

(ii) शांति अवधि में हार्न नहीं बजाएगा।

(iii) कट-प्राइट का उपयोग नहीं करेगा जिससे निष्कामन रैम रक्कामक के माध्यम में अन्यथा छोड़ी जाती है;

(iv) ऐमा कोई मल्टी-टोन हार्न फिट नहीं करेगा या उपयोग नहीं करेगा जो फोर, लीडी, लैज या अंयकारी छ्वास निकालना है;

(v) ऐमा कोई यान आगत नहीं करेगा जो जब वह गति में हो, असम्यक ध्रुवि निकालता हो—

(vi) किसी मफ्तार के साथ किसी यान का चालन नहीं करेगा जिससे भरकारी ध्रुवि निकलती हो।

22. यानायात चिन्ह और यानायात पुलिस बोर्ड यान का चालक और भूक्तुक का उपयोग करने वाले प्रत्येक अन्य व्यक्ति—

(क) यानायात के विनियमन के लिए तत्समय भारत-साधक किसी पुलिस अधिकारी या किसी प्राधिकारी अधिकारी द्वारा, चाहे सकेन द्वारा या अन्यथा, दिए गए प्रत्येक निरेश का पालन करेगा;

(ख) उसे याग और नोटिस पर या उसके उपर्याप्त किसी निरेश का किसी ऐसे प्राधिकारी द्वारा नियन्त या प्रत्यालित यानायात निहं या सकेन का, जो ऐसा करने के लिए सक्षम है, पालन करेगा;

(ग) ऐसे स्थान पर जहाँ एक मड़क दूसरे को काटती हैं, नियन्त स्वचालित सकेनों, युक्तियों द्वारा उपदण्डित किसी निरेश का पालन करेगा।

23. सामने के यान गे दूरीकिसी मोटरयान का चालक जो किसी अन्य मोटरयान के पीछे चल रहा है, यदि सामने का यान अचानक धीमा हो जाए या रुक जाए तो टक्कर से बचने के लिए उस दूसरे यान में पर्याप्त दूरी पर रहेगा।

34. अचानक आरोध किसी यान का चालक तब तक आरोध नहीं संगत जब तक कि सुरक्षा के कारणों से ऐसा करना आवश्यक नहीं है।

25. पहाड़ पर चढ़ने वाले यानों को पूर्विकता देना पहाड़ी सड़कों पर और छपुआं सड़कों पर, पहाड़ी से नीचे की ओर यात्रा करने वाले मोटरयान का चालक पहाड़ी पर ऊपर जाने वाले यान को महां पूर्विकता देगा जहाँ भी मड़क खनरे के बिना नियन्त रूप से प्रत्येक यान को एक-दूसरे से आगे निकलने वेने के लिए पर्याप्त रूप से छोड़ी नहीं है और पहाड़ी पर ऊपर जाने वाले किसी यान को आगे निकलने वेने के लिए सड़क के किनारे यान को रोकेगा।

26. चालक को आगे मोटरयान का कोई चालक ऐसी रीति में या ऐसे स्थान पर किसी अवित को छड़े होने या बैठने या किसी थीज को रखे जाने को अनुमा नहीं देगा जिससे यान के नियन्त्रण पर उसे वाधा होती हो।

27. गति पर निर्बंधन किसी मोटरयान का चालक किसी जुलूस या पैदल जाती हुई फौज या पुलिस दल के आगे निकलते समय या उसके बराबर चलते समय या सड़क के मरम्मत करते हुए कर्मगारों के आगे निकलते समय यान को अधिक से अधिक 25 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से चलाएगा।

28. ट्रैक्टरों और माल बाहरों का चालन कोई चालक, जब वह ट्रैक्टर छला रहा है, ट्रैक्टर पर किसी व्यक्ति का बहन नहीं करेगा या वहन किए जाने की अनुमा नहीं देगा। माल का बाहर का कोई चालक, टालक के किनारे में उससे अधिक संभवा में व्यक्तियों का बहन नहीं करेगा जो रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में वर्णित है और यात्रियों को भाड़े या पारितोषिक के लिए वहन नहीं करेगा।

29. भार का बाहर निकलना (1) कोई व्यक्ति किसी सर्वजनिक स्थान में ऐसा कोई मोटरयान नहीं चलाएगा जो ऐसी रीति से भारित है जिससे किसी व्यक्ति को अनरा होने की संभावना है या वेसी रीति से भारित है कि भार या उसका कोई भाग या कोई चीज पार्श्व में बाढ़ी के बाहर या आगे या पीछे या ऊंचाई में, अनुक्रम सीमा से परे तिकला है।

30. खतरनाक पदार्थों के बहन पर निर्बंध यान के उपयोग के लिए अधिक हृष्ण और स्लेहरों के सिवाय कोई विस्फोटक, उच्च उत्तरांशील या अन्यथा खतरनाक पदार्थ विसी लोक सेवा यान पर बहन नहीं किया जाएगा।

31. पांछे की ओर चालन पर निर्बंध किसी मोटरयान का कोई चालक किसी मोटरयान को, जब तक कि प्रथमतः उसका यह समाधान न हो जाए कि उसके द्वारा बहु किसी अवित को या किसी परिस्थितियों में कोई खतरा या असम्यक असुविधा कारित नहीं करेगा, उससे अधिक दूरी तक या कालावधि तक, जो यान को बुझाने के लिए युक्तियुक्त रूप से आवश्यक है, पांछे की ओर चालित नहीं करेगा।

दस्तावेजों का प्रस्तुत किया जाना

32. यान को चलाने वाला कोई अवित,—

(i) अपने साथ अपनी चालन अनुपातित; रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र; कराधान प्रमाणपत्र और यान के भीमे का प्रमाणपत्र और परिश्रृङ्खल यान के मामले में अनुक्रमित और उपयुक्त प्रमाणपत्र भी सर्वदा रखेगा;

(ii) वर्दीधारी पुलिस अधिकारी द्वारा या मोटरयान विभाग के वर्दीधारी किसी अधिकारी द्वारा या मरकार द्वारा प्रधिकृत किसी अस्य अधिकारी द्वारा सांग किए जाने पर, दस्तावेजों को निरीक्षण के लिए प्रस्तुत करेगा।

33. प्रत्येक चालक को मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 112, 113, 121, 122, 125, 132, 134, 185, 186, 194 और 207 के उपलब्धों के बारे में पर्याप्त होता चाहिए।

[फा. मं. आर. टी. - 11014/3/89-टी.ए.जी.]

S.O. 439(E).—In exercise of the powers conferred by section 118 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), the Central Government hereby makes the following regulations for the driving of motor vehicles, namely :

Short title and commencement

1. (1) These regulations may be called the Rules of the Road Regulations 1989.

(2) They shall come into force on the first day of July, 1989.

Keep left

2. The driver of a motor vehicle shall drive the vehicle as close to the left hand side of the road as may be expedient and shall allow all traffic which is proceeding in the opposite direction to pass him on his right hand side.

Turning to Left and right

3. The driver of a motor vehicle shall :

- when turning to the left, drive as close as may be to the left hand side of the road from which he is making the turn and of the road which he is entering;
- when turning to the right draw as near as may be to the centre of the road along which he is travelling and arrive as near pass may be at the left hand side of the road which the driver is entering.

Passing to right

4. Except as provided in regulation 4, the driver of a motor vehicle shall as to the right of all traffic proceeding in the same direction as himself.

Passing to the left

5. The driver of a motor vehicle may pass to the left of a vehicle the driver of which having indicated an intention to turn to the right has drawn to the centre of the road and may pass on either side, a tram car or other vehicle running on fixed rails whether travelling in the same direction as himself or otherwise provided that in no case shall be pass a tram car at a time or in a manner likely to cause danger or inconvenience to other users of the road including persons leaving or about to enter tram cars.

Overtaking prohibited in certain cases.

6. The driver of a motor vehicle shall not pass a vehicle travelling in the same direction as himself :

- if his passing is likely to cause inconvenience or danger to other traffic proceeding in any direction,
- if he is near a point, a bend of corner or a hill or other obstruction of any kind that renders the road ahead not clearly visible,
- if he knows that the driver who is following him has began to overtake him,
- if the driver ahead of him has not signalled that he may be overtaken.

Overtaking not to be obstructed

7. The driver of a motor vehicles shall not, when being overtaken or being passed by another vehicle, increase speed or do anything in any way to prevent the other vehicle from passing him.

Caution at road junction

8. The driver of a motor vehicle shall slow down when approaching a road intersection, a road junction, pedestrian crossing or a road corner, and shall not enter any such intersection, junction or crossing until he has become aware that he may do so without endangering the safety of persons thereon.

Giving way to traffic at road junction

9. The driver of a motor vehicle shall, on entering a road intersection, at which traffic is not being regulated, if the road entered is a main road designated as such, give way to the vehicles proceeding along that road, and in any other case give way to all traffic approaching the intersection on his right hand.

Fire service vehicles and ambulance to be given free passage

10. Every driver shall, on the approach of a fire service vehicle, or of an Ambulance allow it free passage by drawing to the side of the road.

Right of Way

11. The pedestrians have the right of way at uncontrollable pedestrian crossings. When any road is provided with footpath or cycle tracks specially for other traffic, except with permission of a police officer in uniform, a driver shall not drive on such footpath or track.

Taking 'U' turn

12. No driver shall take a 'U' turn where 'U' turn is specially prohibited and on busy traffic road. If a 'U' turn is allowed the driver shall show signal by hand as for a right turn, watch in the rear view mirror and turn when safe to do so.

Signals to be given by drivers

13. The following signals shall be used by the drivers of all motors vehicles namely :—

- When about to slow down, a driver shall extend his right arm with the palm downward and to the right of the vehicle and shall move the arm so extended up and down several times in such a manner that the signal can be seen by the driver of any vehicle which may be behind him.
- When about to stop, a driver shall raise his right forearm vertically outside of and to the right of the vehicle, palm to the front.
- When about to turn to the right or to drive to the right hand side of the road in order to pass another vehicle or for any other purpose, a driver shall extend his right arm in a horizontal position outside of and to the right of his vehicle with the palm of the hand turned to the front.
- When about to turn to the left or to drive to the left hand side of the road, a driver shall extend high right arm and rotate it in an anticlockwise direction.
- When a driver wishes to indicate to the driver of vehicle behind him that he desires that driver to overtake him he shall extend his right arm and hand horizontally outside of and to the right of the vehicle and shall swing the arm backward and forward in a semi-circular motion.

Direction indicators

14. The signals referred to in regulation 12, may be simplified also by mechanically or electrical devices.

Parking of the vehicle

15. (1) Every driver of a motor vehicle parking on any road shall park in such a way that it does not cause or is not likely to cause danger, obstruction or undue inconvenience to other road users and if the manner of parking is indicated by any sign board or markings in the road side, he shall park his vehicle in such manner.

- a driver of a motor vehicle shall not park his vehicle:
 - at or near a road crossing, a bend, top of a hill or a hump-backed bridge;
 - on a foot-path;
 - near a traffic light or pedestrian crossing;
 - in a main road or one carrying fast traffic;
 - opposite another parked vehicle or as obstruction to other vehicle;
 - along side another parked vehicle;
 - on roads or at places on roads where there is a continuous white line with or without a broken line;

- (viii) near a bus stop, school or hospital entrance or blocking a traffic sign or entrance to a premises or a fire hydrant;
- (ix) on the wrong side of the road;
- (x) where parking is prohibited;
- (xi) away from the edge of the foot path;

Visibility of lamps and registration marks

16. (1) No load or other goods shall be placed on any motor vehicle so as to mask or otherwise interrupt vision of any lamp, registration mark or other mark required to be carried by or exhibited on any motor vehicle by or under the Act, unless a duplicate of the lamp or mark so marked or otherwise obscured is exhibited in the manner required by or under the Act for the exhibition of the marked or obscured lamp or mark.

(2) All registration and other marks required to be exhibited on a motor vehicle by or under the Act shall at all times be maintained in a clear and legible condition.

One way traffic

17. A driver shall not--

- (i) drive a motor vehicle on roads declared 'One Way' except in the direction specified by sign boards.
- (ii) drive a vehicle in a reverse direction into a road designed 'One way'.

Driving on channelised roads (lane traffic).

18. (1) Where any road is marked by lanes for movement of traffic, the driver of a motor vehicle shall drive within the lane and change the lane only after giving proper signal.

(2) Where any road is marked by a yellow-line dividing road, the vehicle proceeding in the same direction trying to over-take each other shall not cross the yellow line.

Stop sign on road surface

19. (1) When any line is painted on or inlaid into the surface of any road at the approach to the road junction or to a pedestrian crossing or otherwise, no driver shall drive a motor vehicle so that any part thereof projects beyond that line at any time when a signal to stop is being given by a police officer or by means of a traffic control lights or by the display of any traffic sign.

(2) A line for the purpose of this regulation shall be not less than 50 millimetres in width at any part and may be either in white, black or yellow.

Towing

20. (1) No vehicle other than a mechanically disabled motor vehicle or incompletely assembled motor vehicle, a registered trailer or a side car, shall be drawn or towed by any motor vehicle, except for purposes of delivery and to the nearest filling station or garage.

(2) No motor vehicle shall be drawn or towed by any other motor vehicle unless there is in the driver's seat of the motor vehicle being drawn or towed a person holding a licence authorising him to drive the vehicle or unless the steering wheels of the motor vehicle being towed, are firmly and securely supported clear of the road surface by some crane or other device on the vehicle which is drawing or towing it.

(3) When a motor vehicle is being towed by another motor vehicle the clear distance between the rear of the front vehicle and the front of the rear vehicle shall at no time exceed five meters, the tow ropes, or chains shall be of a type

easily distinguishable by other road users and there shall be clearly displayed on the rear of the vehicle being towed in black letters not less than seventy five millimeters high and on a white black ground the words 'ON TOW'.

(4) No motor vehicles when towing another vehicle other than a trailer or side car shall be driven at a speed exceeding twenty-four kilometers per hour.

Use of horns and Silence Zones

21. A driver of a vehicle shall not (i) sound the horn needlessly or continuously or more than necessary to ensure safety;

- (ii) sound the horn in silence zones;
- (iii) make use of a cut-out by which exhaust gases are released other than through the silencer;
- (iv) fit or use any multitonned horn giving an harsh, shrill, loud or alarming noise;
- (v) drive a vehicle creating undue noise when in motion;
- (vi) drive a vehicle with a muffler causing alarming sound.

Traffic sign and Traffic Police

22. A driver of a motor vehicle and every other person using the road shall obey:-

- (a) every direction given, whether by signal or otherwise, by a police officer or any authorised person for the time being in-charge of the regulation of traffic;
- (b) any direction applicable to him and indicated on or by notice, traffic sign or signal fixed or operated by an authority, competent to do so;
- (c) any direction indicated by automatic signalling devices fixed at road intersections.

Distance from vehicles in front

23. The driver of a motor vehicle moving behind another vehicle shall keep at a sufficient distance from that other vehicle to avoid collision if the vehicle in front should suddenly slow down or stop.

Abrupt brake

24. No driver of a vehicle shall apply brake abruptly unless it is necessary to do so for safety reasons.

Vehicles going uphill to be given precedence

25. On mountain roads and steep roads, the driver of a motor vehicle travelling down hill shall give precedence to a vehicle going up-hill wherever the road is not sufficiently wide to allow the vehicles to pass each other freely without danger, and stop the vehicle to the side of the road in order to allow any vehicle proceeding uphill to pass.

Obstruction of Driver

26. A driver of a motor vehicle shall not allow any person to stand or sit or any thing to be placed in such a manner or position as to hamper his control of the vehicle.

Speed to be restricted

27. The driver of a motor vehicle shall, when passing or meeting a procession or a body of troops or police on the march or when passing workmen engaged on road repair, drive at a speed not exceeding than 25 kilometres an hour.

Driving of tractors and goods vehicles

28. A driver when driving a tractor shall not carry or allow any person to be carried on tractor. A driver of goods carriage shall not carry in the driver's cabin more number of persons than that it mentioned in the registration certificate and shall not carry passengers for hire or reward.

Projection of loads

29. No person shall drive in any public place any motor vehicle which is loaded in a manner likely to cause danger to any person or in such a manner that the load or any part thereof or anything extends laterally beyond the side of the body or to the front or to rear or in height beyond the permissible limit.

Restriction to carriage of dangerous substances

30. Except for the fuel and lubricants necessary for the use of the vehicle, no explosive, highly inflammable or otherwise dangerous substance, shall be carried on any public service vehicle.

Restriction on driving backwards

31. No driver of a motor vehicle shall cause the vehicle to be driven backwards without first satisfying himself that he will not thereby cause danger of undue inconvenience to any person or in any circumstances, for any greater distance or period of time than may be reasonably necessary in order to turn the vehicle round.

Production of documents

32. A person driving a vehicle,—(i) shall always carry with him his driving licence; certificate of registration; certificate of taxation and certificate of insurance of the vehicle and in case of transport vehicle the permit and fitness certificate, also;

(ii) shall on demand by police officer in uniform or an officer of the Motor Vehicle Department in uniform or any other officer authorised by the Government, produce the documents for inspection.

33. Every driver must be conversant with the provisions of sections 112, 113, 121, 122, 125, 132, 134, 185, 186, 194 and 207 of the Motor Vehicles Act, 1988.

[File No. RT-11014/3/89-TAG]

का.प्रा. 440(अ) :—केन्द्रीय सरकार, मोटरवाहन अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 163 की उपधारा (1) द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करने हुए, टक्कर मारकर भागने संबंधी मोटर दुर्घटना से पर्याप्ति के लिए प्रतिकर का संबोध करने के लिए निम्नलिखित स्कीम बनाता है, प्रति—

1. संधिकार नाम और प्रारम्भ—(1) इस स्कीम का नाम ताप्त शीम, 1989 है।

(2) यह 1 जुलाई, 1989 का प्रयोग होगा।

2. परिसाधारण—इस स्कीम में, जब तक कि गंदर्भ में अग्रया प्रविधित न हो।

(1) "अधिनियम" भे मोटरवाहन अधिनियम 1988 (1988 का 59) अधिप्रेत है;

(2) "दावा जाव अधिकारी" में अधिप्रेत है। राज्य के प्रत्येक राजस्व जिले में राजस्व उच्चायुक्त या नालंका वा भारतीय उच्चायुक्त अधिकारी शासीकदार, या जोई अन्य अधिकारी या उच्चायुक्त अधिकारी या नहरीतदार को पर्याप्त से अन्यतम ऐसा अन्य अधिकारी जो राज्य सरकार द्वारा विनियोग किया जाए;

(ग) दावा परिवहन आयुक्त¹ से अधिप्रेत है जिला मजिस्ट्रेट, उपायुक्त, कनेटर या राज्य में राजस्व जिला का भारतीय कोई अन्य अधिकारी जो राज्य सरकार द्वारा इस स्थान में नियुक्त किया जाए;

(घ) "खंड" से इस स्कीम का खंड अधिप्रेत है;

(इ) "जिला स्तर समिति" से खंड 11 के अधीन गठित समिति अधिप्रेत है;

(च) "प्रख्य" से इस स्कीम से उपायुक्त प्रख्य अधिप्रेत है;

(छ) "स्थाई समिति" से खंड 3 के अधीन गठित समिति अधिप्रेत है;

(ज) "परिवहन आयुक्त" से राज्य सरकार द्वारा इस स्थान में नियुक्त कोई अधिकारी अधिप्रेत है और इसके अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा नियुक्त परिवहन महानिदेशक, परिवहन निदेशक या परिवहन नियंत्रक भी है।

3. स्थाई समिति

(1) एक स्थाई समिति होगी जो निम्नलिखित सदस्यों से मिलकर बनेगी, अध्यात्म—

(क) संयुक्त सचिव (परिवहन) —अध्यक्ष

(ख) संयुक्त सचिव (बीमा) —सदस्य

(ग) महाप्रबंधक, साधारण बीमा निगम —सदस्य

(घ) भारत में नवमय साधारण बीमा कानून कर रहे प्रत्येक बीमा कंपनियों के महाप्रबंधक —सदस्य

(ङ) तीन राज्यों में से प्रत्येक के परिवहन आयुक्त जो बैन्डीय सरकार द्वारा अकानूनमें नाम निर्दिष्ट किए जाए —सदस्य

(च) निवेशक/उपराजित (वित्त प्रभाग), जल भूतल परिवहन मंत्रालय —सदस्य

(छ) उपमहाबंधक (रेलवे) जो पर्याप्त का साधारण बीमा निगम का एक अधिकारी सदस्य सचिव।

(2) पद के अधिकार पर गवर्नर के रूप में नाम-निर्दिष्ट बोर्ड व्यवस्था इस समय गत्तेय नहीं रहे जाएगा अब उनका यह पद धारण करना समाप्त हो जाता है।

(3) खंड (1) के उपविंश (३) के अधीन नामनिर्दिष्ट सदस्यों का पदावधि एक वर्ष तक होगी।

4. स्थाई गमित के सदस्यों का पारिश्रमिक—किसी सदस्य को, अनुबंध वर पर याकां और दैनिक भत्ता के सिवाय, जो उस स्थान से संदर्भ लिया जाएगा जिसमें वह केवल आहूति करना है, कोई पारिश्रमिक संदर्भ नहीं किया जाएगा।

5. स्थाई समिति की शक्तिगति शीर्ष दृष्टि—स्थाई समिति,

(i) स्कीम के कायांकरण और उसके कायांकरण का कानूनिक रूप में पुनर्विलोकन करेगी जब भी आवश्यक हो सुधारात्मक कदम का निर्देश देगी;

(ii) किना राज्य समिति की स्पोर्ट में उठाए गए प्रश्नों पर विचार करेगा और जहां अर्थात् हो, मार्गनिक्षेप या निरेण देगी;

(iii) स्थाई समिति और जिला स्तर समिति के कारबार के संचालन के लिए विनियम बिरचित करेगी।

6. स्थाई गमित का अधिवेशन—स्थाई समिति प्रेस समय, तारीख और ऐसे स्थान पर अपना अधिवेशन करेगी जो अध्यक्ष समय-समय पर इस निमित्त नियत करे :

परन्तु समिति एक बर्य में कम से कम दो बार अधिवेशन करेगी।

7. गणपूर्ति:—गणपूर्ति कम से कम तीन सदस्यों से होगी:

परन्तु यदि किसी अधिवेशन में गणपूर्ति नहीं होती है तो अध्यक्ष अधिवेशन के बाद के मात्र विनों में अन्त भी किसी सारीख के लिए स्थगित कर मेंगा और उपस्थित सदस्यों को यह जानकारी देगा और अन्य सदस्यों को सूचना भेजेगा कि उसका स्थगित बैठक पर कारबार को निपटाने का प्रस्ताव है ताकि गणपूर्ति होती है या नहीं, और उसके पश्चात् वह ऐसी स्थगित बैठक में कारबार को निपटा सकेगा।

8. बहुमत द्वारा विनिश्चय:—प्रत्येक बात का अवधारण उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों के मतों के बाह्य द्वारा किया जाएगा और मतों के बराबर होने की दशा में अध्यक्ष का निर्णयक मत होगा।

9. अधिवेशन की सूचना:—(1) सदस्य सचिव प्रत्येक अधिवेशन के कम से कम पद्धति विन पूर्व ऐसे प्रत्येक अधिवेशन के लिए नियत समय, सारीख और स्थान की सूचना प्रत्येक सदस्य को देगा और प्रत्येक सदस्य को उसका अधिवेशन में निपटाए जाने वाले कारबार की सूची भेजी जाएगी।

परन्तु जहां अध्यक्ष द्वारा कोई अर्जेन्ट अधिवेशन बुलाया जाता है वहां ऐसी सूचना आवश्यक नहीं होगी। किन्तु सदस्य सचिव ऐसे प्रत्येक सदस्य को एक संसूचना भेजेगा।

(2) अध्यक्ष की अनुशा के बिना ऐसे किसी कारबार पर जो कारबार की सूची में नहीं है, विचार नहीं किया जाएगा।

10. अधिवेशन का कार्यवृत्त:—स्थाई समिति के प्रत्येक अधिवेशन की कारबाही सभी सदस्यों में परिचालित की जाएगी और तपश्चात् कार्यवृत्त पुस्तिका में अभिलिखित की जाएगी जो स्थाई अभिलेख के रूप में रखी जाएगी। प्रत्येक अधिवेशन की कारबाहियों के अभिलेख पर अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षर किया जाएगा।

11. जिला स्तर समिति:—(1) प्रत्येक जिले में एक जिला स्तर समिति होगी जो निम्ननिवित मरम्यों से मिलकर अनेगी, अर्थात्:—

(क) दाना परिनिर्धारण आयुक्त —अध्यक्ष

(ख) राज्य सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट वावा जांच अधिकारी —सदस्य

(ग) अंतीम परिवहन अधिकारी या गोटरखान विभाग का कोई अन्य अधिकारी जो गज्य सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाए। —सदस्य

(घ) जनता वा या सहक सुखा पहुँचों से संबंधित किसी स्थैतिक संगठन का कोई तपश्च जो, अध्यक्ष द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाए। — सदस्य

(ङ) वीमा कंपनी का मंडल प्रबन्धक —सदस्य सचिव

(2) पद के आधार पर सदस्य के दृष्टि में नामनिर्दिष्ट कोई व्यक्ति उस समय सदस्य नहीं रह जाएगा जब उसका वह पद धारण करना समाप्त हो जाता है।

(3) उपचाह (ख), (न), (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट अधिकारी की पदाधिक एक वर्ष होगी।

12. जिला स्तर समिति के सदस्यों का पारिश्रमिक:—किसी सदस्य को उसके अपने विभाग में उसे अनुमोद्य दर पर यात्रा और दैनिक खर्चों के विभाग गोइस औत से संदर्त किया जाएगा जिससे वह वेतन आहरित करता है जो कोई पारिश्रमिक संदर्त नहीं किया जाएगा। अप्ट (ख), के अधीन नाम निर्दिष्ट सदस्य को यात्रा भत्ता और महगाई भत्ता साधारण वीमा निगम द्वारा संदर्त किया जाएगा जो उस दर पर होगा जो साधारण वीमा निगम द्वारा विनिश्चित किया जाए।

13. जिला स्तर समिति की शक्तियां और कृत्य:—जिला स्तर समिति, जिला स्तर पर स्कीम के कार्यान्वयन से संबंधित सभी कृत्य करेगी। यह निम्ननिवित कृत्य भी करेगी:—

(i) संबंधित जिले में स्कीम के कार्यान्वयन की प्रगति का मूल्यांकन और जहां आवश्यक हो, मुद्रागमक कदम उठाना;

(ii) स्थाई समिति को त्रैमासिक आधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना। इस रिपोर्ट के अस्तर्गत अन्य बालों के साथ प्राप्त किए गए वावा आवेदन, अधिनिर्णय, लंबित आवेदन और लंबित होने के कारणों के अंकड़े होंगे;

(iii) जिले के अन्य प्राधिकारियों के साथ निकट संपर्क रखना जिससे कि यह मुनिश्चित हो रहे कि स्कीम को पर्याप्त प्रबार मिलता है;

(iv) जहां अपेक्षित है, संबंधित प्राधिकारियों को मार्गनिर्वेश, स्पष्टीकरण प्रदान करना।

14. जिला स्तर समिति का अधिवेशन:—जिला स्तर समिति संबंधित जिले के भीतर ही ऐसे समय, सारीख और ऐसे स्थान पर अधिवेशन करेगा जो अध्यक्ष समय-समय पर इस निमित्त नियत करें।

परन्तु समिति प्रत्येक त्रैमास में कम से कम एक बार अधिवेशन करेगी।

15. गणपूर्ति:—गणपूर्ति कम से कम दो सदस्यों से होगी।

16. बहुमत द्वारा विनिश्चय:—प्रत्येक बात का अवधारण उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों के मत के बहुमत द्वारा किया जाएगा। मत के बराबर होने की दशा में अध्यक्ष का निर्णयक मत होगा।

17. अधिवेशन की सूचना—(1) सदस्य सचिव अधिवेशन के नियत समय, सारीख और स्थान की सूचना ऐसे अधिवेशन के कम से कम सात दिन पूर्व प्रत्येक सदस्य को देगा और प्रत्येक सदस्य को उस अधिवेशन में निपटाए जाने वाले कारबार की सूची दी जाएगी।

परन्तु जब अध्यक्ष द्वारा अर्जेन्ट अधिवेशन बुलाया जाता है तो ऐसी सूचना आवश्यक नहीं होगी। किन्तु सदस्य सचिव प्रत्येक सदस्य को एक संसूचना भेजेगा।

(2) अध्यक्ष का अनुशा के द्विना आधिवेशन में ऐसे किसी कारबार पर जो कारबार की सूची में नहीं है, विचार नहीं किया जाएगा।

18. अधिवेशन का कार्यवृत्त—जिला स्तर समिति के लिए अधिवेशन की कारबाही सभी सदस्यों में परिचालित की जाएगी और तपश्चात् कार्यवृत्त पुस्तिका में अभिलिखित की जाएगी जो स्थाई अभिलेख के रूप में रखी जाएगी। प्रत्येक अधिवेशन की कारबाही के अभिलेख पर अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षर किया जाएगा।

19. वीमा कंपनी का नामनिर्दिष्ट—साधारण वीमा निगम प्रत्येक जिले में ग्रन्ते किसी कार्यालय का वीमा कंपनी को अधिनियम की धारा 161 के अधीन और इस स्वीम के अधीन वावा का परिनिर्धारण करने के लिए नामनिर्दिष्ट करेगा।

20. वावा आवेदन करने के लिए प्रत्रिया—(1) आवेदन उस उपचाह या नाल्पक के जिसमें दुर्घटना हुई है, वावा जांच अधिकारी को इस स्वीम के अधीन प्रतिकर की माय करते हुए प्रलूप I में आवेदन, प्रलूप II में सच्चाह रूप से भरी गई उम्मोजन रसीद और प्रलूप IV में धब्बनबंध के माय देगा।

(2) छंड (1) के अधीन कोई आवेदन दुर्घटना की सारीख से इह मास की अवधि के भीतर किया जाएगा।

परन्तु दुर्घटना की सारीख से इह मास के पश्चात् किन्तु आरह मास के अपावाह किया गया आवेदन दावा जांच अधिकारी द्वारा प्रहृण किया जा सकेगा यदि उसका समाधान हो जाए कि विस्तार की माफी के लिए युक्तियुक्त आवार है।

(3) जहाँ दावा जांच अधिकारी आवेदक द्वारा लिए गए आगारों का स्वीकार नहीं करता है वहाँ वह सफारण आवेदन अधिनियमित करेगा और दावा आवेदन को अस्वीकार किए जाने के लिए कारणों को आवेदक को संमृद्धि करेगा ।

21. दावा जांच अधिकारी द्वारा अनुमति की जाने वाली प्रक्रिया :

(1) दावा आवेदन की प्राप्ति पर दावा जांच अधिकारी, यथास्थिति संबंधित प्राधिकारी से प्रथम इतिला रिपोर्ट, मुख्य समीक्षा रिपोर्ट, शब्द परीक्षा रिपोर्ट या क्षति प्रमाणण की प्रति तुरस्त प्रभिन्नात्म करेगा और टक्कर मार कर भागने से संबंधित मोटर दुर्घटना से उद्भूत दावों के बारे में जांच करेगा ।

(2) दावा जांच अधिकारी का यह कर्तव्य होगा कि—

(क) जहाँ दो से अधिक दावेदार हैं वहाँ यह विनिश्चित करे कि कोइं सही दावेदार है ;

(ख) आवेदन की प्राप्ति की सारीक से बथासंभव शीघ्र और किसी भी दशा में एक मास की कालावधि के भीतर अपने स्वयं की सिफारिश के साथ, प्रलेप II में सम्बद्ध उन्मोचन रसीद और प्रलेप में बचनबंध के सहित प्रलेप III में रिपोर्ट पेश करेगा ।

(3) जहाँ दावा परिनिर्धारण आयुक्त ने स्वंड 22 के उपर्युक्त (2) के अधीन आगे जांच करने के लिए दावा जांच अधिकारी को कोई रिपोर्ट भाषित की है वहाँ दावा जांच अधिकारी ऐसी अतिरिक्त जांच करेगा और आवश्यक हो और अकिञ्चन आवेदन के लिए पन्द्रह दिन के भीतर दावा परिनिर्धारण आयुक्त को पुनः भेजेगा ।

22. दावा की मंजूरी—दावा जांच अधिकारी की रिपोर्ट की प्राप्ति पर दावा परिनिर्धारण अधिकारी ऐसी रिपोर्ट की प्राप्ति की सारीक से पल्दहूँ दिन से अनधिक कालावधि के भीतर यथासंभव शीघ्र दावा को मंजूर करेगा और प्रलेप II में सम्बद्ध उन्मोचन रसीद और प्रलेप में बचनबंध के साथ प्रलेप IV में मंजूरी का आदेश, दीमा कंपनी के नामनिर्दिष्ट कार्यालय को संस्कृत करेगा जिसके साथ निम्नलिखित को एक प्रति होतीः—

(क) दावा जांच अधिकारी,

(ख) दावेदार,

(ग) संबंधित मोटर दुर्घटना दावा प्राधिकरण,

(घ) सबंधित परिवहन आयुक्त, और

(ङ) साप्रारण कीमा निगम का मुख्यालय ।

(2) जहाँ दावा परिनिर्धारण आयुक्त को दावा जांच अधिकारी द्वारा प्रमत्त रिपोर्ट के बारे में कोई संदेश नहीं कहा वह उस विनिश्चित यात्रा को दृग्गत करने वाला, जिस पर जांच की जानी आविष्ट, रिपोर्ट को द्याएं जांच करने के लिए दावा जांच अधिकारी द्वारा आगिस करेगा ।

23. प्रतिकर का संदाय—(1) मृत्यु से उद्भूत दावों के मामले में संदाय, दावा जांच अधिकारी द्वारा यथा विनिश्चित, मुक्त के विधिक प्रतिनिधियों को किया जाएगा ।

(2) गंभीर उपहास से उद्भूत दावों के मामले में हृत्य फूटियम्बत व्यक्ति को किया जाएगा ।

(3) दीमा कंपनी का नामनिर्दिष्ट कार्यालय प्रलेप II में उन्मोचन रसीद और प्रलेप V में बचनबंध के साथ प्रलेप IV में मंजूरी आवेदन की प्राप्ति पर तुरस्त दावेदार को संदाय करेगा और दावेदार को चैक, डिमाण्ड के द्वापार, न्सीदी रजिस्ट्रीकूट आक से भेजेगा और साथ ही ऐसे अपनी संबंधित प्राधिकारियों को संभूतना भेजेगा जिनके लिए मंजूरी आदेश की प्रति पर पूर्णाकृत किया गया है ।

(4) दीमा कंपनी द्वारा दावेदार को संदाय उन्मोचन रसीद के साथ मंजूरी आदेश की प्राप्ति की तारीख से पहले दिन के भीतर किया जाएगा और जहाँ भी विलंभ होता है वहाँ उसका कारण दावा परिनिर्धारण आयुक्त को स्पष्ट किए जाएंगे ।

(5) चैक, डिमाण्ड द्वापार को इन्तिहास करने वाले रजिस्ट्रीकूट पत्र, यदि दावेदार को परिवर्त किए जिनके आविष्ट आदेश जो जाते हैं तो उन्हें दीमा निदेश के लिए दावा परिनिर्धारण आयुक्त के समक्ष रखा जाएगा ।

(6) दीमा कंपनी का नामनिर्दिष्ट कार्यालय दावा परिनिर्धारण आयुक्त को एक विवरण भेजेगा जिसमें मंजूरी आदेश की संख्या और तारीख, मंजूरी आदेश से ग्राहन की तारीख, किए गए संदाय, संदेश के लिए लंबित मंजूरी आदेश होते और उसकी प्रति दावा जांच अधिकारी और दावारण दीमा निगम मुख्यालय, मंबर्ड को भेजेगा ।

24. वार्षिक रिपोर्ट—साप्रारण दीमा निगम रकीम के कार्यकरण पर एक वार्षिक रिपोर्ट तैयार करेगा और इसकी समिति के समक्ष रखेगा और उसकी एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भी भेजेगा ।

प्रगति ।

खंड 20(1)

तोपण निधि में मे प्रतिवार के लिए आवेदन ना प्रस्तु

मैं, _____, जो श्री _____ का पुत्र,
(नाम)

की पुत्री/विधवा हूँ, और _____ (स्थान) _____ का / की निवासी हूँ
मोटर यान दुर्घटना में धोर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया हूँ, और मुझे दूर्घटना के क्षतियों के लिए ग्रतिकर के अनुशासन करता हूँ। जो क्षतियाँ
मुझे हुई हैं उसकी आवश्यक विविधियाँ नीचे दी गई हैं।

मैं _____, जो श्री _____ का पुत्र, की पुत्री,
(नाम)

विधवा हूँ, और _____ (स्थान) _____ का / की निवासी हूँ श्री/ /
श्रीमती/कुमारी _____, जो _____ का पुत्र, की विधवा, पुत्री थी, जिसकी/
जिसको तारीख _____ की _____ स्थान पर मर्त्य हुई थी / क्षतियाँ हुई थी, मृत्यु/क्षतियों
के लिए ग्रतिकर के अनुदान के लिए विधिक प्रतिनिधि/प्रभिकर्ता के रूप में आवेदन करता हूँ। दुर्घटना की बाबत विविधियाँ और मृत्यु जानकारी नीचे
दी गई हैं।

1. क्षतिप्रस्त व्यक्ति का नाम और उसके पिता का नाम (विवाहित स्त्री या
विधवा की बाबा में उसके पति का नाम):

2. क्षतिप्रहृत भूत व्यक्ति का पता :

3. मायु _____ जन्म की तारीख _____

4. क्षतिप्रस्त, मृत व्यक्ति पुरुष है या स्त्री:

5. दुर्घटना का स्थान, तारीख और समय:

6. क्षतिप्रस्त / मृत व्यक्ति की उपजीविका:

7. क्षतियों की प्रकृति:

8. जिस पुलिस थाने की अधिकारिता में दुर्घटना हुई थी या जिसमें दुर्घटना
रशिस्टर कराई गई थी उसका नाम और पता:

9. जिस चिकित्सा अधिकारी / चिकित्सा व्यवसायी ने क्षतिप्रस्त, मृत व्यक्ति
की देखभाल की थी उसका नाम और पता

10. दावेदार / दावेदारों ने नाम और पते:

11. मृत व्यक्ति के साथ नातेदारी:

12. कोई मृत्यु जानकारी जो दावे के परिनिर्धारण के लिए आवश्यक या
महायक समझी जाए।

मैं शपथ लेता हूँ, और प्रतिक्षा करता हूँ कि ऊपर बताए गए सभी तथ्य मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही हैं।

दावेदार के हस्ताक्षर

प्रक्षण-II

खंड 20(1)

उपार्थक-
मंजूरी आदेश में
तारीख

उन्मोचन रसीद

मुझे मृतक व्यक्ति

(मृतक का नाम)

(दुर्घटना की तारीख)

को ————— पर हुई दुर्घटना के लिए मेरे दावे के पूर्ण और अंतिम परिनिर्धारण तत्त्वप्रयोग मोटर यात्री (स्थान का नाम)

अधिनियम के टक्कर मार कर भागने संबंधी उपबंधी के अधीन प्रतिकर के रूप में ————— दीपा कांगनी बिसिटेच में ह. स्पष्टात्मक प्राप्त हुए।

तारीख:

कायदाग्राही, भवित्वात द्वारा
राजस्व स्थाप्त पर हस्ताक्षर

प्रक्षण-III

(खंड 21(2)(ब्र)

दावा जांच अधिकारी द्वारा दावा परिनिर्धारण आयुक्त को प्रस्तुत की जाने वाली दावा जांच रिपोर्ट

1. मूल/ भवित्वात व्यक्ति का नाम और पता :
2. दुर्घटना का स्थान, समय और तारीख :
3. जिस पुनिय साने में दुर्घटना रजिस्टर कराई गई थी उसकी विविधियाँ :
4. जिस विकित्सा अधिकारी, विकित्सा अवसायी ने मृत्यु भवित्वात व्यक्ति की परीक्षा की थी उसकी विविधियाँ :
5. जिन व्यक्तियों को समन किया गया था और जिनकी परीक्षा की गई थी उनकी विविधियाँ :
6. मारकर भागने संबंधी मोटर दुर्घटना द्वारा मर्त्य शनि का तत्त्वप्रयोग मिल हुया गया है या नहीं और ऐसा निष्कर्ष निकालने के कारण :
7. प्रतिकर के सदाय के लिए पात्र दावेदार या दावेदारों के नाम और पते :
8. प्रतिकर की रकम जिसकी दावेदार की संदाय करने की मिफारिश की गई है (एक से अधिक दावेदारों की दृष्टि में वह रकम बताई जाएगी जिसके लिए प्रत्येक दावेदार पात्र है और उसके कारण विनिर्दिष्ट किए जाएंगे ।)
9. कोई अन्य जावकारी या अन्य अभिलेख जो दावे का परिनिर्धारण करने के लिए सुन्दर या उपयोगी हों।

मुद्रा :

तारीख:

दावा जांच अधिकारी के हस्ताक्षर
और पदाधार:

प्रस्तुप 4

[बंड 22(1)]

ऋग सं.
परिनिर्धारण आयुक्त
जिमा—

प्रावेश

मेरे ————— मारकर भागने संबंधी वृद्धेना के, जो ————— को
(सारोक्त)
पर हुई थी, परिणामस्वरूप ————— की मृत्यु
(स्थान का नाम)।

को हुई ओर उपहृति की बाबत मृतक ————— के विधिक प्रति निधि के रूप में श्री, श्रीमती, कुमारी —————
को अतिप्रस्तु ————— को प्रतिकर के रूप में 8500 / 2000 (आठ हजार पाँच सौ रुपए / दो हजार रुपए) मंजूर
(अतिप्रस्तु का नाम)
करता हूँ।

परिनिर्धारण आयुक्त

प्रति:—

1. श्रीमा कंपनी का कार्यालय;
2. वारेवार;
3. मोटर यान वृद्धेना दावा प्रधिकारण;
4. दावा जाच प्रधिकारी;
5. भारतीय सांशोधन श्रीमा निगम, चैर्चेट बूँदे —400020

प्रस्तुप 5

[बंड 20(1)]

(मोटर यान प्रधिनियम 1988 की द्वारा 162 के प्रधीन)

मेर/हम ————— मृतक अतिप्रस्तु ————— के विधिक प्रतिनिधि
(नाम) (नाम)
(प्रतिनिधियों) के रूप में बचमंदिष्ठ करता हूँ / करते हैं कि यदि मुझे/हमें (————— की मृत्यु या ओर उपहृति की
(नाम)
प्रतिकर के लिए किसी दावे के बरते या उसकी तुष्टि के रूप में मोटर यान प्रधिनियम, 1988 या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के किन्हीं प्रन्य उपशंघों
के प्रधीन या अन्यथा कोई अन्य प्रतिकर प्रधिनिधीत किया जाता है तो मैं / हम ————— दावा परिनिर्धारण
(नाम)

आयुक्त द्वारा मंजूरी आदेश सं. ————— सारोक्त ————— के प्रधीन मुझे, हमें
प्रधिनिधीत प्रतिकर की रकम का प्रतिदाय श्रीमाकर्ता को करणा, / करेंगे।

मृत / अतिप्रस्तु व्यक्ति के विधिक प्रतिनिधि
के हस्ताक्षर

S.O. 449(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 163 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), the Central Government hereby makes the following scheme for the payment of compensation to the victims of hit and run motor accidents, namely : -

1. **Short title and commencement.**—(1) This scheme may be called the Solatium Scheme, 1989.

(2) It shall come into force on the first day of July, 1989.

2. **Definitions.**—In the scheme, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Act" means the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988);
- (b) "Claims Enquiry Officer" means the Sub-Divisional Officer, Tehsildar, or any other officer in charge of a revenue subdivision or a Taluka in each revenue district of a State or such other officer not below the rank of Sub-Divisional Officer or a Tehsildar, as may be specified by the State Government.
- (c) "Claims Settlement Commissioner" means the District Magistrate, the Deputy Commissioner, the Collector or any other Officer in-charge of a revenue district in a State appointed as such by a State Government.
- (d) "clause" means clause of this scheme.
- (e) "District level Committee" means a Committee set up under clause 11.
- (f) "Form" means a Form annexed to the Scheme.
- (g) "Standing Committee" means Committee set up under clause 3.
- (h) "Transport Commissioner" means an officer appointed as such by the State Government and includes the Director General of Transport, Director of Transport or the controller of Transport, appointed by the State Government.

3. Standing Committee :

(1) There shall be a standing Committee consisting of the following members, namely : -

- (a) Joint Secretary (Transport) —Chairman.
- (b) Joint Secretary (Insurance) —Member.
- (c) General Manager, General Insurance Corporation —Member.
- (d) General Managers of each of Insurance Companies for the time being carrying on general insurance business in India —Member.
- (e) Transport Commissioners one each from three States, nominated by the Central Government by rotation. —Member.
- (f) Director/Deputy Secretary (Finance Division), Ministry of Surface Transport —Member.
- (g) An Officer of General Insurance Corporation, of the rank of Deputy General Manager (Accounts). —Member Secy.

(2) The persons nominated as member by virtue of an office shall cease to be member when he ceases to hold that office.

(3) The term of Office of the members nominated under sub-clause (3) of clause (1) shall be for a period of one year.

4. **Remuneration of members of Standing Committee.**—A member shall not be paid any remuneration, except travelling and daily allowance at the rates admissible to him and be paid from the source he draws salary.

5. **Powers and functions of the Standing Committee.**—The Standing Committee shall

- (i) Periodically review the working of the scheme and its implementation and direct corrective steps, wherever necessary;
- (ii) Considering the issues raised in the report of the District Level Committee and provide guidance or directions, wherever called for;
- (iii) framing regulations for conduct of business by Standing Committee and District Level Committee.

6. **Meeting of the Standing Committee.**—The Standing Committee shall meet at such time, date and at such a place as the Chairman may, from time to time, appoint in this behalf:

Provided that the Committee shall meet at least twice a year.

7. **Quorum.**—Not less than three members shall form a quorum:

Provided that if at any meeting there is no quorum, the Chairman may adjourn the meeting to a date not less than seven days later, informing the members present and sending notice to other members that he proposes to dispose of the business at the adjourned meeting, whether there is a quorum or not and he may thereupon dispose of the business at such adjourned meeting.

8. **Decision by majority.**—Every matter shall be determined by a majority of votes of the members present and voting and in case of equality of votes, the Chairman shall have a casting vote.

9. **Notice of meetings.**—(1) Notice shall be given by the member-Secretary to every member of the time, date and place fixed for each such meeting at least fifteen days before such meeting and each member shall be furnished with a list of business to be disposed of at the said meeting :

Provided that when a urgent meeting is called by the Chairman, such notice shall not be necessary. However, member-Secretary shall send an intimation to each member.

(2) No business which is not on the list of business shall be considered at a meeting without the permission of the Chairman.

10. **Minutes of the meeting.**—The proceedings of each meeting of the Standing Committee shall be circulated to all members and thereafter recorded in a minutes book which shall be kept as permanent record. The record of the proceedings of each meeting shall be signed by the Chairman.

11. **District Level Committee.**—(1) There shall be a District Level Committee in each District consisting of the following members, namely :

- (a) Claims Settlement Commissioner —Chairman
- (b) Claims Enquiry Officer, nominated by the State Government —Member
- (c) The Regional Transport Officer or any other officer of Motor Vehicles Department as nominated by the State Government —Member
- (a) any member of the public or, a voluntary organisation connected with the road safety aspects nominated by the Chairman —Member
- (c) Divisional Manager of the Insurance Company —Member-Secretary.

(2) A person nominated as a member by virtue of an office shall cease to be a member when he ceases to hold that office.

(3) The term of officer nominated under sub-clause (b), (c) and (d) shall be one year.

12. Remuneration of Member of the District Committee.—A member shall not be paid any remuneration except travelling and daily allowance at the rate admissible to him in his respective Department and be paid from the source he draws salary. A member nominated under clause (d) shall be paid travelling allowance/dearness allowance by General Insurance Corporation, at the rate as may be decided by the General Insurance Corporation.

13. Powers and functions of District Level Committee.—The District Level Committee shall undertake all functions connected with the implementation of the scheme at the District level. It shall also perform functions such as :

- (i) to evaluate the progress of implementation of the scheme in the concerned District and take corrective steps, wherever necessary ;
- (ii) to submit a report on quarterly basis to the Steering Committee. This report shall inter alia include statistics monthwise, about the claim applications received, awarded, pending and reasons for pendency.
- (iii) to keep close liaison with other authorities in the district so as to ensure that scheme gets adequate publicity.
- (iv) to provide guidance/clarifications to concerned authorities wherever called for.

14. Meeting of the District Level Committee.—The District Level Committee shall meet at such time, date and at such place, within the concerned District itself, as the Chairman may, from time to time, appoint in this behalf :

Provided that the Committee shall meet at least once in each quarter.

15. Quorum.—Not less than two members shall form a quorum.

16. Decision by majority.—Every matter shall be determined by a majority of vote of the member present and voting. In case of equality of votes Chairman shall have a casting vote.

17. Notice of meeting :—(1) Notice shall be given by the member Secretary to each member of the time, date and place fixed for the meeting at least seven days before such a meeting and each member shall be furnished with a list of business to be disposed of at the said meeting:

Provided that when an urgent meeting is called by the Chairman, such notice shall not be necessary. However, member-Secretary shall send an intimation to each member.

(2) No business which is not on the list of business shall be considered at a meeting without the permission of the Chairman.

18. Minutes of the meeting:—The proceedings of each meeting of the 'District Level Committee' shall be circulated to all members and thereafter recorded in a minute book which shall be kept as a permanent record. The record of the proceedings of each meeting shall be signed by Chairman.

19. Nomination of insurance company:—General Insurance Corporation shall nominate any of its office or an insurance company in each District for settlement of claims under section 161 of the Act and of this scheme.

20. Procedure for making the claim application:—(1) The applicant shall submit an application seeking compensation under this scheme in Form I along with duly filled in discharge receipt in Form II and the undertaking in Form V to the Claims Enquiry Officer of the Sub-Division or Taluka in which the accident takes place.

(2) An application under clause (1) shall be made within a period of six months from the date of the accident:

Provided that an application made after six months but not after 12 months from the date of the accident may be accepted by the Claims Enquiry Officer, if he is satisfied that there are reasonable grounds to condone the delay.

(3) Where the Claims Enquiry Officer does not accept the grounds advanced by the applicant, he shall record speaking orders and communicate to the applicant reasons for not accepting the claim application.

21. Procedure to be followed by the Claims Enquiry Officer :—(1) On receipt of claims application, the Claims Enquiry Officer shall immediately obtain a copy of the FIR, inquest report, post mortem report or certificate of injury, as the case may be, from the concerned authorities and hold enquiry in respect of claims arising out of hit and run motor accidents.

(2) It shall be the duty of the Claims Enquiry Officer—
(a) to decide as to who are the rightful claimants, where there are more than one claimants;

(b) to submit, as early as possible, and in any case within a period of one month from the date of receipt of application a report in Form-III alongwith duly discharged receipt in Form-II and the undertaking in Form V alongwith his own recommendation.

(3) Where the Claims Settlement Commissioner has returned any report to the claims Enquiry Officer for further enquiry under sub-clause (2) of clause 22, the Claims Enquiry Officer shall make such additional enquiries as may be necessary and resubmit the report to Claims Settlement Commissioner within 15 days for final order.

22. Sanctioning of Claims:—(1) On receipt of report of the Claims Enquiry Officer, the Claims Settlement Commissioner shall sanction the claim, as far as possible, within a period not exceeding Fifteen days from the date of receipt of such report and communicate the sanction order in Form IV alongwith duly discharged receipt in Form-II and the undertaking in Form V to the nominated office of the insurance company, with a copy to the following :—

- (a) the Claims Enquiry Officer
- (b) the claimant
- (c) the concerned motor Accident Claim Tribunal
- (d) the concerned Transport Commissioner
- (e) General Insurance Corporation headquarters.

(2) Where the Claims Settlement Commissioner has any doubt in respect of the report submitted by the Claims Enquiry Officer, he shall return the report to the Claims Enquiry Officer for further enquiry, indicating the specific points on which the enquiry is to be made.

23. Payment of compensation:—(1) In the case claims arising out of death, the payment shall be made to the legal representatives of the deceased, as decided by the Claim Enquiry Officer.

(2) In the case of claims arising out of grievous hurt, the payment shall be made to the person injured.

(3) The nominated office of the insurance company, immediately on receipt of the sanction order in Form IV together with discharge receipt in Form II and the undertaking in Form V shall make the payment to the claimant and despatch a cheque/demand draft to the claimant through registered post AD and simultaneously send intimation to all the concerned authorities to whom the copy of the sanction order is endorsed.

(4) The payment to the claimant by the insurance company shall be made within 15 days from the date of receipt of the sanction order together with discharge receipt and wherever delay occurs, reasons, therefore shall be explained to the Claims Settlement Commissioner.

(5) Registered letters containing cheques/demand draft, if returned undelivered from claimants shall be placed before the Claims Settlement Commissioner for further directions.

(6) The nominated office of the insurance company shall furnish monthly return giving number and the date of the sanction order, date of receipt of sanction order, payments made, sanction order pending for payment, to the Claims Settlement Commissioner with a copy to Claims Enquiry Officer and General Insurance Corporation Headquarters, Bombay.

24. Annual Report :—The General Insurance Corporation shall prepare and place an annual report on the working of the scheme before the Standing Committee, and also forward a copy to the Central Government.

[File No. RT-11014/3/89-TAG]

FORM I

[Clause 20(i)]

FORM OF APPLICATION FOR COMPENSATION FORM SOLATIUM FUND

I, son of/daughter of/widow of *Shri residing at having been grievously injured in motor vehicle accident hereby apply for grant of compensation for the grievous injuries sustained. Necessary particulars in respect of the injury sustained by me are given below:—

I, son of/daughter of/widow of *Shri residing at hereby apply as a legal representative/agent for the grant of compensation on account of death/injuries sustained by Shri/Shrimati/ Kumari, son of/widow of/daughter of Shri who died/had sustained injuries in a motor vehicle accident on at Particulars in respect of accident and other information are given below:—

1. Name and father's name of person injured (husband's name in case of married woman or widow).
2. Address of the person injured/dead :
3. Age Date of birth
4. Sex of the person injured/dead :
5. Place, date and time of the accident :
6. Occupation of the person injured/dead :
7. Nature of injuries sustained :
8. Name and address of Police Station in whose jurisdiction accident took place or was registered :
9. Name and address of the Medical Officer/Practitioner who attended on the injured/dead :
10. Name and address of the claimant/claimants :
11. Relationship with the deceased :
12. Any other information that may be considered necessary or helpful in the disposal of the claim:

I hereby swear and affirm that all the facts noted above are true to the best of my knowledge and belief.

SIGNATURE OF THE CLAIMANT

*Strike out which ver is not applicable

FORM-II

[Clause 20(i)]

ANNEXURE

SANCTION ORDER NO.
Dated:

Discharge Receipt

Received with thanks from Insurance Co. Ltd. sum of Rs. being the compensation under hit and run provisions of the Motor Vehicle Act in full & final settlement of my claim for the accident occurred to me/to the deceased person (Name of deceased) on at (date of accident) (Name of place)

Signature on revenue stamp by Beneficiary/
Victim

WITNESS:

- 1.
- 2.

FORM III

[Clause 21(2)(b)]

CLAIMED ENQUIRY REPORT TO BE SUBMITTED BY THE CLAIMS ENQUIRY OFFICER TO THE CLAIMS SETTLEMENT COMMISSIONER.

1. Name and address of the person dead/injured:
2. Place, time and date of the accident:
3. Particulars of the Police Station in which the accident was registered:
4. Particulars of the medical officer/Practitioner who examined the dead/injured:
5. Particulars of persons summoned and examined:
6. Whether the fact of death/injury by hit and run motor accident has been established or not and the reasons for coming to that conclusion:
7. The name and address of claimant(s)/eligible for payment of compensation:
8. The amount of compensation recommended for payment to the claimant. (In case of more than one claimant the amount each one of the claimants is eligible and the reasons thereof shall be specified).
9. Any other information or records relevant or useful for the settlement of the claim.

Signature, designation of the Claims
Enquiry Officer.

Seal :

Date:

FORM IV
[Clause 22(1)]

Serial No.

Claims Settlement Commissioner
District.....

ORDER

I hereby sanction Rs. 8500 (Rupees Eight Thousand Five Hundred only) as compensation in respect of the death of.....
2000 (Rupees Two Thousand only)
..... grievous hurt to..... resulting from hit and run motor accidents which took place at.....
Name of deceased..... Name of injured..... Name of place
on..... to S/Shri/Shrimati/Kumari..... as the legal representative of the deceased(.....
dated.....
.....) or to..... injured.
Name of injured.....

Claims Settlement Commissioner

CC to:—

1. Office of the Insurance Company
2. The Claimant
3. Motor Vehicles Accident Claims Tribunal
4. Claims Enquiry Officer
5. General Insurance Corporation of India, Churchgate, Bombay-400020.

FORM V

[Clause 20(1)]

(Under Section 162 of the Motor Vehicles Act, 1988)

I/We..... as legal representative(s) of the deceased/injured..... hereby give undertaking that I/We shall refund the amount of compensation awarded to me/us under sanction order No..... dated..... by the Claims Settlement Commissioner..... to the insurer in case I/We/am/are awarded any other compensation or amount in lieu of or by way of satisfaction of a claim for compensation in respect of death or grievous hurt to..... under any other provisions of the Motor Vehicles Act, 1988 or any other law for the time being in force or otherwise.

Signature of the legal representative of the deceased/
injured person.

का आ 441 (प्र):— केन्द्रीय सरकार, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 (1988 का 69) की धारा 185 के भीचे के स्पष्टीकरण के अनुसार में तथा भारत सरकार के जहाजरामी और परिवहन भवालय की अधिसूचना में का आ 1929, तारीख 17 जून, 1978 को अधिनियम करने वाला, निम्नलिखित व्यक्तियों को, जिनके बारे में यह समझा जाएगा कि वे किसी व्यक्ति को मोटरगाड़ पर समुचित निर्देश देने से अग्रक बना देती हैं, विनिर्वाट करती हैं, अर्थात्:—

1. केन्द्रीय तात्त्विक प्रणाली अवसादक :

(क) ईनिवाल,

(ख) फोकोनीन।

2. निवाली ग्रामक :

(क) एलोवार्कीटोन,

(ख) फ्रेनोवार्कीटोल,

(ग) सफोवार्कीटोल,

(घ) साइक्लोवार्कीटोन

(ङ) बार्कीटोन,

(च) मैथाक्लोलीन,

(छ) क्लोरल हाइड्रो

3. स्वापक वेदनात्मक:

(क) मैर्फीन,

(ख) पैथीडीन

4. मन: प्रभावी औषधियाः

लिसोर्गी एसिड डाइ-एथिलोराइड (एल एस ई)

5. उद्दीपक :

(क) एफेटोमिन,

(ख) मेयाइल फनीडेट डाइ-एथिलोराइड

6. प्रणालक :

(क) डायाजेपाम,

(ख) फलोरिडायरोपोक्साइड,

(ग) साइट्रोजपाम।

2. यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1989 को प्रवृत्त होती।

[का सं धार दी -11014/3/89-ईजी]

S.O. 441(E):—In pursuance of the Explanation below Section 185 of the Motor Vehicles Act, 1988, (59 of 1988) in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport No. S. O. 1929, dated the 17th June, 1978, the Central Government hereby specifies the following drugs which shall be deemed to render a person incapable of exercising proper control over a motor vehicle, namely :—

1. Central Nervous System Depressant :

(a) Cannabis, (b) Cocaine.

2. Hypnotics Sedatives :

(a) Allobarbitone, (b) Phenobarbital,
(c) Secobarbital, (d) Cyclobarbitone,
(e) Barbitone, (f) Methaqualone,
(g) Chloral Hydrate.

3. Narcotic Analgesics :

(a) Morphine, (b) Pethidine.

4. Psycho-tropic drugs :

Lysergic Acid Di-ethylamide (L.S.D.).

5. Stimulants :

(a) Amphetamine, (b) Methyl Phenidate Hydrochloride.

6. Tranquillizers :

(a) Diazepam, (b) Chlorodiarepoxide,
(c) Nitrazepam.

2. This notification shall come into force on the first day of July, 1989.

[File No. RT-11014/3/89-TAG]

का. आ. 442(अ):—केन्द्रीय सरकार, मोटर यान भवित्वियम, 1988(1988 का 59) की धारा 203 के स्पष्टीकरण द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, के जल भूत्त परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना नं. का. आ. 3796, तारीख 23 नवम्बर, 1977 को अधिकार करते हुए, निम्नलिखित प्रकार की मुक्तियों को (जिन्हें इसके पश्चात् यात्रा विश्लेषक कहा गया है) यात्रा परीक्षण के लिए, किसी अवक्षित द्वारा दिए गए यात्रा के एक या अधिक नमूनों पर किए गए परीक्षण के माध्यम द्वारा, उस अवक्षित के रक्त में एल्कोहॉल की उपस्थिति का लक्षण अधिग्राहन करते के प्रयोगन के लिए, अनुमोदित करती है, अर्थात् :—

(1) युक्ति I—यात्रा विश्लेषक में निम्नलिखित होगा, अर्थात् :—

(क) एक उपदर्शक नलिका जिसमें ऐसी यामग्री होती जिसके रंग में उस समय परिवर्तन होगा, जब वह नलिका में किसी एल्कोहॉल यामग्री के यात्रान पर एल्कोहॉल वायप के संपर्क में आती है :

परत् उपदर्शक नलिका का स्वरूप : जीवन एक वर्ष से कम का नहीं होगा जिसमें कि इस अवधि के लिए भंडारित यात्रा विश्लेषक के कृत्य किसी भी रूप में उससे भिन्न न हों जैसा कि ताजा निर्मित उपदर्शक नलिका का होता है ;

(ख) अविशाल प्लास्टिक यामग्री की बनी मुखिका ;

(ग) एक स्लीटर के आयनन का, जब उसे पूर्णतः स्फीत्य किया जाए, एक स्फीत्य थेना, जो पोलिथीत का बना हो और जिसके मुख पर मुखिका संलग्न हो; या

(2) युक्ति II— यात्रा विश्लेषक में निम्नलिखित होगा, अर्थात् :—

(क) एक उपदर्शक परीक्षण टाईप जिसमें ऐसी यामग्री होती जिसके रंग में उस समय परिवर्तन होगा जब वह नलिका में किसी एल्कोहॉल वस्तु, के साथ अवक्षार करते पर एल्कोहॉल वायप के संपर्क में आती है—

(ख) एक मुखिका ;

(ग) एक ध्वनि धंग जिसमें रंग धीवा धोर कैप्चिटी है, या

(3) युक्ति III—यात्रा विश्लेषक में निम्नलिखित होगा, अर्थात् :—

(क) उपदर्शक नलिका, जो दोनों मिर्गों पर फूट्जित होती तथा जिसमें गीला अधिकार्यक दृग्गत जिसके रंग में उस समय परिवर्तन होगा जब नलिका में किसी एल्कोहॉल वस्तु, के यात्रान पर एल्कोहॉल वायप के साथ संपर्क में आता है :

परत् उपदर्शक नलिका का स्वरूप : जीवन नीन धर्ष से कम महीने होगा जिसमें कि इस अवधि के लिए भंडारित यात्रा विश्लेषक के कृत्य किसी भी रूप में उससे भिन्न न हों जैसा कि ताजा निर्मित उपदर्शक नलिका का होता है ;

(ख) एक मुखिका ;

(ग) स्फीत्य थेना, जिसके मुख पर मुखिका संलग्न है और जिसके आगे पहचान विस्तृत भार धंग द्वारा की जाती है; या

(4) युक्ति — यात्रा विश्लेषक में निम्नलिखित होगा, अर्थात् :—

एक साक्षीय अंकीय यंत्र, जब उसको एल्कोहॉल अंतर्विष्ट करते वाली यात्रा के साथ अक्सीहूल किया जाता है तो रस्त एल्कोहॉल साइरन के रूप में विद्युत संकेत विमित और प्रदर्शित होता है ।

2. यह अधिसूचना 1 जूनाई, 1989 को प्रवृत्त होती है।

[का. स. आर. टी. —11014 (3)/89/टी.प.जी.]

S.O. 442(E):—In exercise of the powers conferred by the Explanation of section 203 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport No. S.O. 3796, dated the 23rd November, 1977, the Central Government hereby approves the following types of devices (hereinafter referred to as the breathanalyser), for the purpose of obtaining an indication of the presence of alcohol in a person's blood by means of a test carried out, on one or more specimens of breath provided by that person, for the purpose of breath tests, namely :—

(1) Device I.—The breath analyser shall comprise the following, namely :—

(a) An indicator tube containing material which would undergo change of colour when in contact with alcohol vapours on breathing of an alcoholic subject into the tube :

Provided that the shelf-life of the indicator tube shall not be less than one year, so that the performance of the breath analyser stored for this period shall in no way be different from that of a freshly made indicator tube;

(b) a mouthpiece made of non-toxic plastic material;

(c) an inflatable bag of volume of a 1 litre, when fully inflated, made of polythene and attached with the mouth-piece at the opening.

(2) Device-II—The breath analyser shall comprise the following, namely :—

- An indicator test type containing material which would undergo change of colour when in contact with alcohol vapours on dealing with an alcoholic subject into the tube;
- a mouthpiece;
- a breath back with a colour neck and capacity,

(3) Device III—The breath analyser shall comprise the following, namely :—

- An indicator tube fused at both ends and containing a yellow reagent which would undergo change of colour when in contact with alcohol vapours on breathing of an alcoholic subject into the tube;

Provided that the shelf-life of the indicator tube shall not be less than three years, so that the performance of the breath analyser stored for this period shall in no way be different from that of a freshly made indicator tube;

- a mouthpiece;

- an inflatable bag and attached with a mouthpiece at the opening and further indentified by a broad weight band, or

(4) Device IV—The breath analyser shall comprise the following, namely :—

An evidential digital instrument when oxidized with the breath containing alcohol an electric signal which is amplified and displayed as blood alcohol concentration.

2. This notification shall come into force on the first day of July, 1989.

[RJ-11014(3)89-TAG]

का. आ. 443(अ):— केन्द्रीय सरकार, मोटर व यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की घारा 213 की उप-घारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए एवं दावा यह विहित करती है कि मोटर यान नियोक्ता प्रथम सहायक मोटर यान नियोक्ता (पात्र किन्तु नामों से पुकारे जाए) वर्ग के अधिकारियों की श्रेणी के लिए न्यूनतम आवृत्ति नियमित होती है :—

अवृत्ति

- 10 सेंटीमीटर पास की न्यूनतम साधारण गैंडिक आवृत्ति ; और
- आटोमोटोसाइल इंजीनियरी (तीन वर्षीय पाठ्यक्रम) में डिलीमा

अवृत्ति

राज्य नियोक्ता शिक्षा केंद्र द्वारा दिया गया योग्यता इंजीनियरी में (तीन वर्षीय पाठ्यक्रम) डिलीमा ; और

3. डिलीमा प्रदाता ग्राउंडस्टोर्किंग फार्मिंग में, जिसमें हाल्फे मोटर यानों, भारी माल यानों और भारी यार्डी मोटर यानों, द्वारा के, जिसमें पेट्रोल और डीजल इंजिन फिट किए गए हों। मरम्मत का काम लिया जाना है, कम से कम एक वर्ष का अवृत्ति करने का अनुभव ; और

4. चालन अनुमति धारण करना आवश्यक जो उसे मोटर साईकिल, मारी माल यानों और भारी यार्डी मोटर यानों को चलाने के लिए प्राधिकृत करता है।

2. इस अधिनियम में को कीई बात ऐसे पद पर एक जूलाई, 1989 से पहले नियूनत किए गए अधिकारी और ऐसे अधिकारी पर जो भी ये तकनीकी प्रकृति के कुल्हों के नियूनत के लिए नियूनत किया गया है, लागू नहीं होती।

3. यह अधिसूचना 1 द्वारा 1989 को प्रवृत्त होती।

[आर. टी. —11014/3/89—टी. ए. जी.]

S.O. 443(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 213 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), the Central Government hereby prescribes that the minimum qualification for the class of officers consisting of the category of Inspector of motor vehicles or Assistant Inspector of motor vehicles (by what ever names called) shall be as under—

Qualification :

- Minimum general educational qualification of a pass in X standard; and
- a diploma in Automobile Engineering (3 year course) Or a diploma in Mechanical Engineering awarded by the State Board of Technical Education (3 year course); and
- working experience of at least one year in a reputed automobile workshop which undertakes repairs of both light motor vehicles, heavy goods vehicles and heavy passenger motor vehicles fitted with petrol and diesel engine; and
- must hold a driving licence authorising him to drive motor cycle, heavy goods vehicles and heavy passenger motor vehicles.

2. Nothing contained in the notification shall apply to a officer appointed to such post before the first day of July, 1989 and to an officer appointed to discharge function of a non-technical nature.

3. This notification shall come into force on the first day of July, 1989.

[RT-11014/3/89-TAG.]

का. आ. 444(अ):— केन्द्रीय सरकार, मोटर व यान अधिनियम, 1988 (1988 का 58) की घारा 41 की उप-घारा (6) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए नीचे दी गई सारणी के संबंध (1) में विनियिष्ट राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को उसके संबंध (2) की तस्वीरी प्रविष्टि में विनियिष्ट अधिकार समूहों का आवंटन प्रत्येक राज्य और राज्य धोके के ऐसे रजिस्ट्रीकरण चिह्न के रूप में प्रयोग करने के लिए करती है जिनके पश्चात रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी का वह कोह मंडपांक आवाग्रा जो रजिस्ट्रीकरण चिह्न के रूप में प्रयोग किए जाने के लिए प्राप्तिशील, राज्य सरकार या संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक द्वारा आवंटित किया जाए और जो चार अंकों से अविक का न हो।

संज्ञाः

राज्य	संघ शामिल क्षेत्र	भक्ति—समूह
1		
1. अंगमान और नियोक्ता		एप्स
2. आंध्र प्रदेश		एप्सी
3. प्रस्तुति प्रदेश		ए. आर.
4. असम		एप्स

1	2
5. विहार	बी भार.
6. चण्डीगढ़	मीएच
7. दावरा और नागर हैमेली	टीएन
8. दरन और दीव	डीबी
9. विल्ली	डीएस
10. शोषा	जीए
11. गुजरात	जीजे
12. हरियाणा	एच आर
13. हिमाचल प्रदेश	एचपी
14. जम्मू-कश्मीर	जेके
15. कर्नाटक	के ए
16. केरल	के एन
17. लकड़ीप	एलडी
18. मध्य प्रदेश	एम्पी
19. महाराष्ट्र	एम एच
20. मणिपुर	एमएन
21. मेघालय	एम एल
22. मिजोरम	एम जेड
23. नागालैण्ड	एन एल
24. उडीसा	ओभार
25. पांडेचेरी	पीचेरी
26. पंजाब	पी बी
27. राजस्थान	भारजे
28. मिनियम	एसके
29. तमिलनाडु	टीएन
30. लिपुरा	टीभार
31. उत्तर प्रदेश	युपी
32. पश्चिमी बंगाल	डब्ल्यूडी

2. जहाँ पैरा 1 में निर्दिष्ट 'चार अंक 9999 ही जाते हैं यहा अगला अंक "ए" वर्णकम से प्राप्त होगा और इसके पश्चात अधिक से अधिक चार अंक आएंगे और तत्पश्चात "बी" वर्णकम प्राप्त होगा जिसके पश्चात अधिक चार अंक आएंगे और इसी प्रकार आप सी होगा जब तक कि "आई" और "ओ" को छोड़ कर सभी वर्णकम समाप्त न हो जाएँ :

परन्तु अक्षर अंग्रेजी में होते और अंक अरबी संख्यात्मक होते तथा अक्षर और अंक परावर्ती रूपों में लिखे जाएंगे और उन्हें निम्न रूप वर्णया जाएगा—

(क) कैब किराए पर देने का स्कीम, 1989 के अधीन यानों में विशेष परिवहन यानों की दणा में सफेद सनह पर काले रंग में,

(ख) अस्थायी, रूप से रजिस्ट्रेशन मोटर सूनों की दणा में पीली सनह पर लाल रंग में,

(ग) अवतरियों के कब्जे में मोटर यानों की दणा में नान मतरह पर सफेद रंग में,

(घ) अन्य दशाओं में काली सनह पर सफेद रंग में,

(ङ) कैब किराए पर देने, सी स्कीम, 1989 के अधीन मोटर यानों की दणा में काली सनह पर पीले रंग में

3. यह नियम सूचना जुलाई, 1989 के यहाँ दिन को प्रवृत्त होगी।

[का. सं. आर. दा. 11014/3/89 टी ए. जी]
दी. आर. चब्दाण, संकुल मन्त्रि

S.O.444(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 41 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), the Central Government hereby allots to the States and Union territories specified in column (1) of the Table below, the groups of letters specified in the corresponding entry in column (2) thereto, for use as registration mark for each State and Union territory to be followed by the code number of the Registering Authority to be allotted by the State Government or as the case may be the Administrator of the Union territory and not exceeding four figures, to be used as registration mark.

TABLE

States/Union Territories	Group of letters	
	1	2
1. Andaman and Nicobar		AN
2. Andhra Pradesh		AP
3. Arunachal Pradesh		AR
4. Assam		AS
5. Bihar		BR
6. Chandigarh		CH
7. Dadra and Nagar Haveli		DN
8. Daman and Diu		DD
9. Delhi		DL
10. Goa		GA
11. Gujarat		GJ
12. Haryana		HR
13. Himachal Pradesh		HP
14. Jammu and Kashmir		JK
15. Karnataka		KA
16. Kerala		KL
17. Lakshadweep		LD
18. Madhya Pradesh		MP
19. Maharashtra		MH
20. Manipur		MN
21. Meghalaya		ML
22. Mizoram		MZ
23. Nagaland		NL
24. Orissa		OR
25. Pondicherry		PY

1	2
26. Punjab	PN
27. Rajasthan	RJ
28. Sikkim	SK
29. Tamil Nadu	TN
30. Tripura	TR
31. Uttar Pradesh	UP
32. West Bengal	WB

2. Where the four figures referred to in paragraph 1 reaches 9999, the next series shall begin with alphabet 'A' followed by not more than four figures and thereafter with alphabet 'B' followed by not more than four figures and so on until all the alphabets, excluding 'I' and 'O' are exhausted :

Provided that the letters shall be in English and the figures shall be in Arabic numerals and the letters and figures shall be painted in reflecting colours and shall be shown :

- (a) in the case of transport vehicles other than those under the Rent a Cab Scheme, 1989 in black on a white ground;
- (b) in the case of motor vehicles temporarily registered in red on a yellow ground;
- (c) in the case of motor vehicles in the possession of dealers in white on a red ground;
- (d) in other cases, in white on a black ground;
- (e) in the case of transport vehicle under the Rent a Cab Scheme, 1989, in yellow on a black ground.

3. This notification shall come into force on the first day of July, 1989.

[File No. RT-11014/3/89-TAG]

B.R. CHAVAN, Jr. Secy.

